

॥ तिथिरुच्छाः गुच्छांकोष्ठान्तरपष्टि६० शुद्धं निषिक्तं फलं यजाम् ॥

[illegible]

॥ वल्गुकीकुक्कनन्तरतिथिभक्तफलधनम् ॥

[illegible]

॥ निधिः सौरभम् ॥

[illegible]



॥ नक्षत्रगुच्छाः ॥ वाराहविद्यायगुच्छाकोष्टकान्नरसमविशतिगणकफलधनम् ॥

|              | ०  | १  | २  | ३  | ४  | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ०००० |
|--------------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|------|
| गुच्छा       | ०० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ०००० |
| चालन         | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ०००० |
| धनम्         | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ०००० |
| वली          | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ०००० |
| वली-<br>चालन | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ०००० |

॥ वलीकोष्टकान्नरसमविशतिगणकधनम् ॥

[illegible]

| कोटि | २० | ३० | ४० | ५० | ६० | ७० | ८० | ९० | १०० | ११० | १२० | १३० | १४० | १५० | १६० | १७० | १८० | १९० | २०० | २१० | २२० | २३० | २४० | २५० | २६० | २७० | २८० | २९० | ३०० |    |
|------|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|
| ००   | ३३ | ३० | २७ | २४ | २१ | १८ | १५ | १२ | ९   | ६   | ३   | ०   | ३   | ६   | ९   | १२  | १५  | १८  | २१  | २४  | २७  | ३०  | ३३  | ३६  | ३९  | ४२  | ४५  | ४८  | ५१  | ५४ |
| ५    | ५० | ४७ | ४४ | ४१ | ३८ | ३५ | ३२ | २९ | २६  | २३  | २०  | १७  | १४  | ११  | ८   | ५   | २   | ०   | ३   | ६   | ९   | १२  | १५  | १८  | २१  | २४  | २७  | ३०  | ३३  | ३६ |
| १२   | ४९ | ४६ | ४३ | ४० | ३७ | ३४ | ३१ | २८ | २५  | २२  | १९  | १६  | १३  | १०  | ७   | ४   | १   | ०   | ३   | ६   | ९   | १२  | १५  | १८  | २१  | २४  | २७  | ३०  | ३३  | ३६ |
| १८   | ४८ | ४५ | ४२ | ३९ | ३६ | ३३ | ३० | २७ | २४  | २१  | १८  | १५  | १२  | ९   | ६   | ३   | ०   | ३   | ६   | ९   | १२  | १५  | १८  | २१  | २४  | २७  | ३०  | ३३  | ३६  | ३९ |
| २४   | ४७ | ४४ | ४१ | ३८ | ३५ | ३२ | २९ | २६ | २३  | २०  | १७  | १४  | ११  | ८   | ५   | २   | ०   | ३   | ६   | ९   | १२  | १५  | १८  | २१  | २४  | २७  | ३०  | ३३  | ३६  | ३९ |
| ३०   | ४६ | ४३ | ४० | ३७ | ३४ | ३१ | २८ | २५ | २२  | १९  | १६  | १३  | १०  | ७   | ४   | १   | ०   | ३   | ६   | ९   | १२  | १५  | १८  | २१  | २४  | २७  | ३०  | ३३  | ३६  | ३९ |
| ३६   | ४५ | ४२ | ३९ | ३६ | ३३ | ३० | २७ | २४ | २१  | १८  | १५  | १२  | ९   | ६   | ३   | ०   | ३   | ६   | ९   | १२  | १५  | १८  | २१  | २४  | २७  | ३०  | ३३  | ३६  | ३९  | ४२ |
| ४२   | ४४ | ४१ | ३८ | ३५ | ३२ | २९ | २६ | २३ | २०  | १७  | १४  | ११  | ८   | ५   | २   | ०   | ३   | ६   | ९   | १२  | १५  | १८  | २१  | २४  | २७  | ३०  | ३३  | ३६  | ३९  | ४२ |
| ४८   | ४३ | ४० | ३७ | ३४ | ३१ | २८ | २५ | २२ | १९  | १६  | १३  | १०  | ७   | ४   | १   | ०   | ३   | ६   | ९   | १२  | १५  | १८  | २१  | २४  | २७  | ३०  | ३३  | ३६  | ३९  | ४२ |
| ५४   | ४२ | ३९ | ३६ | ३३ | ३० | २७ | २४ | २१ | १८  | १५  | १२  | ९   | ६   | ३   | ०   | ३   | ६   | ९   | १२  | १५  | १८  | २१  | २४  | २७  | ३०  | ३३  | ३६  | ३९  | ४२  | ४५ |

योगगुच्छाः ॥ गुच्छांककोष्ठान्तरत्वतः ३६ नलितोविशुद्धसप्तविंशतिभक्तफलक्रणम् ॥

| योगः | ०० | १  | २  | ३  | ४  | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | कोष्ठाः  |
|------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----------|
| ००   | ०० | ४  | १  | ५  | ३  | ५  | ३  | ३  | ०० | ४  | २  | ५  | १  | ५  | ५  | ३  | चारादि   |
| ००   | ०० | २७ | ५६ | २५ | ५५ | ४९ | १४ | १४ | ३७ | ५९ | २० | ४१ | ३  | २७ | ५२ | १८ | काक्षेपः |
| ००   | ०० | २४ | २६ | ५७ | ८  | १६ | ४२ | ४५ | ४५ | २८ | २८ | ३६ | ४२ | १५ | ३१ | ५० | क        |
| ००   | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | चालनं    |
| ००   | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | क्रण     |
| ००   | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | गु       |
| ००   | ०० | ५५ | ५० | ४६ | ४१ | ३७ | ३३ | २८ | २३ | १८ | १३ | ९  | ५  | ५९ | ५४ | ५० | कौसे-    |
| ००   | ०० | २६ | ५५ | २५ | ५५ | २३ | ४७ | ७  | २४ | ३७ | ४९ | २  | १५ | ३३ | ५५ | २४ | पका-     |
| ००   | ०० | ५५ | २४ | ५२ | ३७ | १२ | ५१ | ५१ | ४  | ४४ | ५० | १४ | ४४ | ४७ | ८  | ८  | पका-     |
| ००   | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | चालनं    |
| ००   | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | धनम्     |

॥ वलीकोष्ठानन्तरसप्तविंशतिभक्तफलधनम् ॥

३५ ३५ ३५ ३५ ३५ ३५ ३५ ३५ ३५ ३५ ३५ ३५ ३५ ३५ ३५ ३५ ३५ ३५

[illegible]

॥योगशकाविशेषितकोष्ठकाः॥

| कोषिका: |    | योग: |    | वारादि: |    | वर्ग: |     |
|---------|----|------|----|---------|----|-------|-----|
| १       | २  | ३    | ४  | ५       | ६  | ७     | ८   |
| १०      | २० | ३०   | ४० | ५०      | ६० | ७०    | ८०  |
| ११      | २१ | ३१   | ४१ | ५१      | ६१ | ७१    | ८१  |
| १२      | २२ | ३२   | ४२ | ५२      | ६२ | ७२    | ८२  |
| १३      | २३ | ३३   | ४३ | ५३      | ६३ | ७३    | ८३  |
| १४      | २४ | ३४   | ४४ | ५४      | ६४ | ७४    | ८४  |
| १५      | २५ | ३५   | ४५ | ५५      | ६५ | ७५    | ८५  |
| १६      | २६ | ३६   | ४६ | ५६      | ६६ | ७६    | ८६  |
| १७      | २७ | ३७   | ४७ | ५७      | ६७ | ७७    | ८७  |
| १८      | २८ | ३८   | ४८ | ५८      | ६८ | ७८    | ८८  |
| १९      | २९ | ३९   | ४९ | ५९      | ६९ | ७९    | ८९  |
| २०      | ३० | ४०   | ५० | ६०      | ७० | ८०    | ९०  |
| २१      | ३१ | ४१   | ५१ | ६१      | ७१ | ८१    | ९१  |
| २२      | ३२ | ४२   | ५२ | ६२      | ७२ | ८२    | ९२  |
| २३      | ३३ | ४३   | ५३ | ६३      | ७३ | ८३    | ९३  |
| २४      | ३४ | ४४   | ५४ | ६४      | ७४ | ८४    | ९४  |
| २५      | ३५ | ४५   | ५५ | ६५      | ७५ | ८५    | ९५  |
| २६      | ३६ | ४६   | ५६ | ६६      | ७६ | ८६    | ९६  |
| २७      | ३७ | ४७   | ५७ | ६७      | ७७ | ८७    | ९७  |
| २८      | ३८ | ४८   | ५८ | ६८      | ७८ | ८८    | ९८  |
| २९      | ३९ | ४९   | ५९ | ६९      | ७९ | ८९    | ९९  |
| ३०      | ४० | ५०   | ६० | ७०      | ८० | ९०    | १०० |



| ०  | १  | २  | ३  | ४  | ५  | ६  | ७   | ८   | ९   | १०  | ११  | १२  | १३  | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  | ३१  | ३२  | ३३  | ३४  | ३५  | ३६  | ३७  | ३८  | ३९  | ४०  | ४१  | ४२  | ४३  | ४४  | ४५  | ४६  | ४७  | ४८  | ४९  | ५०  | ५१  | ५२  | ५३  | ५४  | ५५  | ५६  | ५७  | ५८  | ५९  | ६०  | ६१  | ६२  | ६३  | ६४  | ६५  | ६६  | ६७  | ६८  | ६९  | ७०  | ७१  | ७२  | ७३  | ७४  | ७५  | ७६   | ७७   | ७८   | ७९   | ८०   | ८१   | ८२   | ८३   | ८४   | ८५   | ८६   | ८७   | ८८   | ८९   | ९०   | ९१   | ९२   | ९३   | ९४   | ९५   | ९६   | ९७   | ९८   | ९९   | १००  |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |  |
|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|--|
| २१ | ३३ | ४६ | ५९ | ७२ | ८५ | ९८ | १११ | १२४ | १३७ | १५० | १६३ | १७६ | १८९ | २०२ | २१५ | २२८ | २४१ | २५४ | २६७ | २८० | २९३ | ३०६ | ३१९ | ३३२ | ३४५ | ३५८ | ३७१ | ३८४ | ३९७ | ४१० | ४२३ | ४३६ | ४४९ | ४६२ | ४७५ | ४८८ | ५०१ | ५१४ | ५२७ | ५४० | ५५३ | ५६६ | ५७९ | ५९२ | ६०५ | ६१८ | ६३१ | ६४४ | ६५७ | ६७० | ६८३ | ६९६ | ७०९ | ७२२ | ७३५ | ७४८ | ७६१ | ७७४ | ७८७ | ८०० | ८१३ | ८२६ | ८३९ | ८५२ | ८६५ | ८७८ | ८९१ | ९०४ | ९१७ | ९३० | ९४३ | ९५६ | ९६९ | ९८२ | ९९५ | १००८ | १०२१ | १०३४ | १०४७ | १०६० | १०७३ | १०८६ | १०९९ | १११२ | ११२५ | ११३८ | ११५१ | ११६४ | ११७७ | ११९० | १२०३ | १२१६ | १२२९ | १२४२ | १२५५ | १२६८ | १२८१ | १२९४ | १३०७ | १३२० | १३३३ | १३४६ | १३५९ | १३७२ | १३८५ | १३९८ | १४११ | १४२४ | १४३७ | १४५० | १४६३ | १४७६ | १४८९ | १५०२ | १५१५ | १५२८ | १५४१ | १५५४ | १५६७ | १५८० | १५९३ | १६०६ | १६१९ | १६३२ | १६४५ | १६५८ | १६७१ | १६८४ | १६९७ | १७१० | १७२३ | १७३६ | १७४९ | १७६२ | १७७५ | १७८८ | १८०१ | १८१४ | १८२७ | १८४० | १८५३ | १८६६ | १८७९ | १८९२ | १९०५ | १९१८ | १९३१ | १९४४ | १९५७ | १९७० | १९८३ | १९९६ | २००९ | २०२२ | २०३५ | २०४८ | २०६१ | २०७४ | २०८७ | २१०० | २११३ | २१२६ | २१३९ | २१५२ | २१६५ | २१७८ | २१९१ | २२०४ | २२१७ | २२३० | २२४३ | २२५६ | २२६९ | २२८२ | २२९५ | २३०८ | २३२१ | २३३४ | २३४७ | २३६० | २३७३ | २३८६ | २३९९ | २४१२ | २४२५ | २४३८ | २४५१ | २४६४ | २४७७ | २४९० | २५०३ | २५१६ | २५२९ | २५४२ | २५५५ | २५६८ | २५८१ | २५९४ | २६०७ | २६२० | २६३३ | २६४६ | २६५९ | २६७२ | २६८५ | २६९८ | २७११ | २७२४ | २७३७ | २७५० | २७६३ | २७७६ | २७८९ | २८०२ | २८१५ | २८२८ | २८४१ | २८५४ | २८६७ | २८८० | २८९३ | २९०६ | २९१९ | २९३२ | २९४५ | २९५८ | २९७१ | २९८४ | २९९७ | ३०१० | ३०२३ | ३०३६ | ३०४९ | ३०६२ | ३०७५ | ३०८८ | ३१०१ | ३११४ | ३१२७ | ३१४० | ३१५३ | ३१६६ | ३१७९ | ३१९२ | ३२०५ | ३२१८ | ३२३१ | ३२४४ | ३२५७ | ३२७० | ३२८३ | ३२९६ | ३३०९ | ३३२२ | ३३३५ | ३३४८ | ३३६१ |  |

॥योगसौरसम्॥

[illegible]

| कोष्ठ० | १ | २ | ३ | ४ | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १० | ११ |
|--------|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|
| ५३     | ३ | ५ | ७ | ९ | ११ | १३ | १५ | १७ | १९ | २१ | २३ |
| ५३     | ३ | ५ | ७ | ९ | ११ | १३ | १५ | १७ | १९ | २१ | २३ |

॥ गेषादिसंक्रान्तिक्षेपकाः एतत्सर्वं गेषसंक्रमणयोग्याः ॥

| राशि     | मी. | कुं. | म. | ध. | रु. | के. | सिं. | क. | मि. | रु. | मे. | ली. | २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ | १० | ९ | ८ | ७ | ६ | ५ | ४ | ३ | २ | १ |   |
|----------|-----|------|----|----|-----|-----|------|----|-----|-----|-----|-----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वारादिसं | ५   | ४    | ३  | २  | १   | १७  | १६   | १५ | १४  | १३  | १२  | ११  | १० | ९  | ८  | ७  | ६  | ५  | ४  | ३  | २  | १  | ०  | ०  | २  | १  | ०  | ० | १ | ० | ० | १ | ० | ० | १ | ० | ० |
| क्षेपकाः | २१  | १५   | ८  | ४  | १   | ११  | १०   | ९  | ८   | ७   | ६   | ५   | ४  | ३  | २  | १  | ०  | ०  | १  | ०  | ०  | १  | ०  | ०  | १  | ०  | ०  | १ | ० | ० | १ | ० | ० | १ | ० | ० |   |

म नि

| म  | न  | रु | ने | सु | आ  | पु | रु | ले | म  | पु | रु | त  | वि | सा | वि | रु | ने | सु | पु | रु | उ  | अ  | उ  | अ  | अ  | ध  | दा | पु | उ  | र  | सा |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० |

वारेत्सुविधिकुद्राः १ नाड्यापंचदशैवगु ॥ जीणपत्रमणिनडाः १ मीनेमयोदयेचन्द्रस्ततदक्षिणोत्तरम् ॥ दोषेषु उत्तरांशुगेषसमग्रवृत्तुमयोः ॥ २५ ॥



॥ अथचन्द्रकेन्द्रवारिकादेशान्तराङ्गम्०१५ मालव्यादेःकलादि॥१०६ ऋणम् ॥

[illegible]

॥ अथ चन्द्रकेन्द्रवाटिका दर्शान्नरक्षणम् ॥ ५ ॥

[illegible]

चन्द्रवल्ली मध्येचन्द्रकेन्द्रवल्ली ही नंकुलासा चन्द्रोच्चवल्ली भवति ॥ पुनः चन्द्रोच्चवल्ली चन्द्रवल्ली मध्ये ही नंकुलाचन्द्रस्य मन्दुकैन्द्रस्यात् ॥

[illegible]

॥ इतिचन्द्रमटिका० ॥

[illegible]

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| 0  | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 1  | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 2  | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 3  | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 4  | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 5  | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 6  | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 7  | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 8  | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 9  | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 10 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 11 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 13 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 14 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 15 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 16 | 9  | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 17 | 8  | 9  | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 18 | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |    |
| 19 | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |    |
| 20 | 5  | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |    |
| 21 | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |    |
| 22 | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |    |
| 23 | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |    |
| 24 | 1  | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |    |
| 25 | 0  | 1  | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |

|     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| 70  | 71  | 72  | 73  | 74  | 75  | 76  | 77  | 78  | 79  | 80  | 81  | 82  | 83  | 84  | 85  | 86  | 87  | 88  | 89  | 90  | 91  | 92  | 93  | 94  | 95  | 96  | 97  | 98  | 99  | 100 |
| 12  | 13  | 14  | 15  | 16  | 17  | 18  | 19  | 20  | 21  | 22  | 23  | 24  | 25  | 26  | 27  | 28  | 29  | 30  | 31  | 32  | 33  | 34  | 35  | 36  | 37  | 38  | 39  | 40  | 41  | 42  |
| 43  | 44  | 45  | 46  | 47  | 48  | 49  | 50  | 51  | 52  | 53  | 54  | 55  | 56  | 57  | 58  | 59  | 60  | 61  | 62  | 63  | 64  | 65  | 66  | 67  | 68  | 69  | 70  | 71  | 72  | 73  |
| 74  | 75  | 76  | 77  | 78  | 79  | 80  | 81  | 82  | 83  | 84  | 85  | 86  | 87  | 88  | 89  | 90  | 91  | 92  | 93  | 94  | 95  | 96  | 97  | 98  | 99  | 100 | 101 | 102 | 103 | 104 |
| 105 | 106 | 107 | 108 | 109 | 110 | 111 | 112 | 113 | 114 | 115 | 116 | 117 | 118 | 119 | 120 | 121 | 122 | 123 | 124 | 125 | 126 | 127 | 128 | 129 | 130 | 131 | 132 | 133 | 134 | 135 |
| 136 | 137 | 138 | 139 | 140 | 141 | 142 | 143 | 144 | 145 | 146 | 147 | 148 | 149 | 150 | 151 | 152 | 153 | 154 | 155 | 156 | 157 | 158 | 159 | 160 | 161 | 162 | 163 | 164 | 165 | 166 |
| 167 | 168 | 169 | 170 | 171 | 172 | 173 | 174 | 175 | 176 | 177 | 178 | 179 | 180 | 181 | 182 | 183 | 184 | 185 | 186 | 187 | 188 | 189 | 190 | 191 | 192 | 193 | 194 | 195 | 196 | 197 |
| 198 | 199 | 200 | 201 | 202 | 203 | 204 | 205 | 206 | 207 | 208 | 209 | 210 | 211 | 212 | 213 | 214 | 215 | 216 | 217 | 218 | 219 | 220 | 221 | 222 | 223 | 224 | 225 | 226 | 227 | 228 |
| 229 | 230 | 231 | 232 | 233 | 234 | 235 | 236 | 237 | 238 | 239 | 240 | 241 | 242 | 243 | 244 | 245 | 246 | 247 | 248 | 249 | 250 | 251 | 252 | 253 | 254 | 255 | 256 | 257 | 258 | 259 |
| 260 | 261 | 262 | 263 | 264 | 265 | 266 | 267 | 268 | 269 | 270 | 271 | 272 | 273 | 274 | 275 | 276 | 277 | 278 | 279 | 280 | 281 | 282 | 283 | 284 | 285 | 286 | 287 | 288 | 289 | 290 |
| 291 | 292 | 293 | 294 | 295 | 296 | 297 | 298 | 299 | 300 | 301 | 302 | 303 | 304 | 305 | 306 | 307 | 308 | 309 | 310 | 311 | 312 | 313 | 314 | 315 | 316 | 317 | 318 | 319 | 320 | 321 |
| 322 | 323 | 324 | 325 | 326 | 327 | 328 | 329 | 330 | 331 | 332 | 333 | 334 | 335 | 336 | 337 | 338 | 339 | 340 | 341 | 342 | 343 | 344 | 345 | 346 | 347 | 348 | 349 | 350 | 351 | 352 |
| 353 | 354 | 355 | 356 | 357 | 358 | 359 | 360 | 361 | 362 | 363 | 364 | 365 | 366 | 367 | 368 | 369 | 370 | 371 | 372 | 373 | 374 | 375 | 376 | 377 | 378 | 379 | 380 | 381 | 382 | 383 |
| 384 | 385 | 386 | 387 | 388 | 389 | 390 | 391 | 392 | 393 | 394 | 395 | 396 | 397 | 398 | 399 | 400 | 401 | 402 | 403 | 404 | 405 | 406 | 407 | 408 | 409 | 410 | 411 | 412 | 413 | 414 |
| 415 | 416 | 417 | 418 | 419 | 420 | 421 | 422 | 423 | 424 | 425 | 426 | 427 | 428 | 429 | 430 | 431 | 432 | 433 | 434 | 435 | 436 | 437 | 438 | 439 | 440 | 441 | 442 | 443 | 444 | 445 |
| 446 | 447 | 448 | 449 | 450 | 451 | 452 | 453 | 454 | 455 | 456 | 457 | 458 | 459 | 460 | 461 | 462 | 463 | 464 | 465 | 466 | 467 | 468 | 469 | 470 | 471 | 472 | 473 | 474 | 475 | 476 |
| 477 | 478 | 479 | 480 | 481 | 482 | 483 | 484 | 485 | 486 | 487 | 488 | 489 | 490 | 491 | 492 | 493 | 494 | 495 | 496 | 497 | 498 | 499 | 500 | 501 | 502 | 503 | 504 | 505 | 506 | 507 |
| 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 | 517 | 518 | 519 | 520 | 521 | 522 | 523 | 524 | 525 | 526 | 527 | 528 | 529 | 530 | 531 | 532 | 533 | 534 | 535 | 536 | 537 | 538 |
| 539 | 540 | 541 | 542 | 543 | 544 | 545 | 546 | 547 | 548 | 549 | 550 | 551 | 552 | 553 | 554 | 555 | 556 | 557 | 558 | 559 | 560 | 561 | 562 | 563 | 564 | 565 | 566 | 567 | 568 | 569 |
| 570 | 571 | 572 | 573 | 574 | 575 | 576 | 577 | 578 | 579 | 580 | 581 | 582 | 583 | 584 | 585 | 586 | 587 | 588 | 589 | 590 | 591 | 592 | 593 | 594 | 595 | 596 | 597 | 598 | 599 | 600 |

॥ अथ भीमवाटिकादेशान्तरक्षणं ०।०।३५ ओमो भवति भीमगुरुशनीनां शीघ्रोच्चं मध्यमोरविः भीमगुरुशनीनां मध्ये मध्यमोरविः शीघ्रोच्चं धिताजानभीमगुरु  
शनीनां शीघ्रोच्चं मध्यमोरविः भीमगुरुशनीनां मध्ये मध्यमोरविः शीघ्रोच्चं धिताजानभीमगुरु

|   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |     |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|

३८७०

[illegible]

अथ नृपकच्छवाटकारान्तरात्प्राप्तं ॥ ३१६ ॥ बानधनवृष्यादकारात्प्राप्तं ॥ ३१७ ॥  
बधोरिव विमर्शोऽध्यवधव्ययी प्रकटस्थान ॥ निधिः ॥ ६१९ ॥ ५५ ॥ मातृवत्या कलादि ॥ ११९ ॥ अकोटिप्राण ॥ ३१८ ॥

[illegible][illegible]

[illegible]

॥ गुरुवाटिका ॥

[illegible]

॥ कल्पवृक्षभाजकः १५ ०० १० वी जन्मणम् ॥



॥ अग्निवाटिकादेशान्तरं प्रणाम् ॥ १॥ २॥ अग्निभाजकः १००० अग्निबीजं धनम् इति शशिवाटिका ॥ ॥

[illegible][illegible]

॥ केनोवोटिकाराहोः त्सका ॥ ३८ ॥

**कोष्ट**

[illegible]

का.  
कोष्ठ

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 |    |
| 55 | 58 | 59 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 55 | 58 | 59 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 55 | 58 | 59 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 55 | 58 | 59 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 55 | 58 | 59 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 55 | 58 | 59 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 55 | 58 | 59 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 55 | 58 | 59 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 55 | 58 | 59 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 55 | 58 | 59 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 55 | 58 | 59 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 55 | 58 | 59 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 55 | 58 | 59 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 55 | 58 | 59 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 55 | 58 | 59 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 55 | 58 | 59 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 55 | 58 | 59 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 |    |    |    |

॥ दृष्टान्तरमृणं कलादिः ॥

[illegible]

| शक्रः | राशि | अंश | कला | विकलाः | चाराः |
|-------|------|-----|-----|--------|-------|
| ११५३८ | १    |     |     |        | ४     |
| ११५३८ | १    |     |     |        | ३     |
| ११५३८ | १    |     |     |        | २     |
| ११५३८ | १    | ३४  | ३५  |        | १५    |
| ११५३८ | १    | २८  | ३८  | ३५     | ३     |
| ११५३८ | १    | २२  | ५१  | ३७     | ६     |
| ११५३८ | १    | १७  | ४   | ३८     | २     |
| ११५३८ | १    | ११  | १७  | ३९     | ४     |
| ११५३८ | १    | ५   | ३१  | ४०     | ३     |
| ११५३८ | १    | ५९  | ४५  | ४१     | २     |
| ११५३८ | १    | ५३  | ५८  | ४२     | १     |
| ११५३८ | १    | ४८  | ५१  | ४३     | ०     |
| ११५३८ | १    | ४२  | ५४  | ४४     | ६     |
| ११५३८ | १    | ३६  | ५७  | ४५     | ५     |
| ११५३८ | १    | ३०  | ५०  | ४६     | ४     |
| ११५३८ | १    | २५  | ४३  | ४७     | ३     |
| ११५३८ | १    | १९  | ३६  | ४८     | २     |
| ११५३८ | १    | १३  | २९  | ४९     | १     |
| ११५३८ | १    | ७   | २२  | ५०     | ०     |

शेषाकरो  
पक्ष १७

०० ५० ५० ५०  
वारि

[illegible]

॥ मायनप्रहस्यअंशकृत्वापट्टकं लब्धकोष्ठफलमुदीत्या ॥

म.स.  
२३

उदा०

| कोष्ठ० |    | काश्या |    | कोनफुल्ल |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|--------|----|--------|----|----------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ००     | १  | २      | ३  | ४        | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० |    |
| ३०     | ३० | ३०     | ३१ | ३१       | ३१ | ३२ | ३२ | ३२ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३४ | ३४ | ३४ | ३४ | ३४ | ३४ | ३४ | ३४ |
| ००     | १४ | ४७     | १० | ३३       | ५५ | १६ | ३६ | ५४ | २२ | ३७ | ६१ | ५२ | ०० | ४  | ५  | ६  | ०० | ५२ | ३३ | ५१ | २७ |
| ३०     | ३० | ३०     | ३१ | ३१       | ३२ | ३२ | ३२ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३४ | ३४ | ३४ | ३४ | ३४ | ३४ | ३४ | ३४ | ३४ |
| ००     | २४ | ५८     | १२ | २६       | ०० | २२ | ४२ | २  | २० | ३८ | ५० | २  | १० | १६ | १८ | १९ | १० | २  | ५० | ३८ | ३८ |

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |  |  |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|--|--|
| २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० |  |  |
| ३३ | ३२ | ३१ | ३० | २९ | २८ | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ |  |  |
| ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ |  |  |
| ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ |  |  |
| ०० | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ | ४२ |  |  |

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |  |  |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|--|--|
| ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |  |  |
| २६ | २६ | २६ | २६ | २६ | २६ | २६ | २६ | २६ | २६ | २६ | २७ | २७ | २७ | २७ | २७ | २७ | २७ | २७ | २७ |  |  |
| ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० | ०० |  |  |
| ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ |  |  |
| १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० | १० |  |  |

दिनमानसारव्यादेस्फुटरेविसावनकृत्वास्याप्यतस्मिन्नाशित्यानेत्रिकतापिण्यब्जदास्मयोत्तमपट्टेण न्यतस्मानकाष्ठफलं यास्य

मानवनिर्माणविधि ॥ २३ ॥



[illegible]

॥ भोगफलं इष्टं भान्दं च ॥

[illegible]

॥ अयमभैमफलंती प्रोमान्द च ॥ मन्तोच्चं भ ० २ १ ६ १ ० १ २ ५ २ ६ गति ३ १ २ ६ ॥

३२६

Figure 3

[illegible]

भोमस्य वक्रांशाः १६६ पश्चाद् स्त्रांशाः २८ प्रागुदयांशाः ३३२ वक्रादिना नि ७२ अस्सदिना नि ॥ १२५ ॥





|     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |   |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|---|
| १   | २   | ३   | ४   | ५   | ६   | ७   | ८   | ९   | १०  | ११  | १२  | १३  | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  | ०   |   |
| ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ००  | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २ |
| १०  | ११  | १२  | १३  | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  | ३१  | ३२  | ३३  | ३४  | ३५  | ३६  | ३७  | ३८  | ३९  | ४०  |   |
| ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ० |
| ५   | ६   | ७   | ८   | ९   | १०  | ११  | १२  | १३  | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  | ३१  | ३२  | ३३  | ३४  | ३५  |   |
| २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  | ३१  | ३२  | ३३  | ३४  | ३५  | ३६  | ३७  | ३८  | ३९  | ४०  | ४१  | ४२  | ४३  | ४४  | ४५  | ४६  | ४७  | ४८  | ४९  | ५०  | ५१  |   |
| ४१  | ४२  | ४३  | ४४  | ४५  | ४६  | ४७  | ४८  | ४९  | ५०  | ५१  | ५२  | ५३  | ५४  | ५५  | ५६  | ५७  | ५८  | ५९  | ६०  | ६१  | ६२  | ६३  | ६४  | ६५  | ६६  | ६७  | ६८  | ६९  | ७०  | ७१  |   |
| ५१  | ५२  | ५३  | ५४  | ५५  | ५६  | ५७  | ५८  | ५९  | ६०  | ६१  | ६२  | ६३  | ६४  | ६५  | ६६  | ६७  | ६८  | ६९  | ७०  | ७१  | ७२  | ७३  | ७४  | ७५  | ७६  | ७७  | ७८  | ७९  | ८०  | ८१  |   |
| ६१  | ६२  | ६३  | ६४  | ६५  | ६६  | ६७  | ६८  | ६९  | ७०  | ७१  | ७२  | ७३  | ७४  | ७५  | ७६  | ७७  | ७८  | ७९  | ८०  | ८१  | ८२  | ८३  | ८४  | ८५  | ८६  | ८७  | ८८  | ८९  | ९०  | ९१  |   |
| ७१  | ७२  | ७३  | ७४  | ७५  | ७६  | ७७  | ७८  | ७९  | ८०  | ८१  | ८२  | ८३  | ८४  | ८५  | ८६  | ८७  | ८८  | ८९  | ९०  | ९१  | ९२  | ९३  | ९४  | ९५  | ९६  | ९७  | ९८  | ९९  | १०० | १०१ |   |
| ८१  | ८२  | ८३  | ८४  | ८५  | ८६  | ८७  | ८८  | ८९  | ९०  | ९१  | ९२  | ९३  | ९४  | ९५  | ९६  | ९७  | ९८  | ९९  | १०० | १०१ | १०२ | १०३ | १०४ | १०५ | १०६ | १०७ | १०८ | १०९ | ११० | १११ |   |
| ९१  | ९२  | ९३  | ९४  | ९५  | ९६  | ९७  | ९८  | ९९  | १०० | १०१ | १०२ | १०३ | १०४ | १०५ | १०६ | १०७ | १०८ | १०९ | ११० | १११ | ११२ | ११३ | ११४ | ११५ | ११६ | ११७ | ११८ | ११९ | १२० | १२१ |   |
| १०१ | १०२ | १०३ | १०४ | १०५ | १०६ | १०७ | १०८ | १०९ | ११० | १११ | ११२ | ११३ | ११४ | ११५ | ११६ | ११७ | ११८ | ११९ | १२० | १२१ | १२२ | १२३ | १२४ | १२५ | १२६ | १२७ | १२८ | १२९ | १३० | १३१ |   |
| १११ | ११२ | ११३ | ११४ | ११५ | ११६ | ११७ | ११८ | ११९ | १२० | १२१ | १२२ | १२३ | १२४ | १२५ | १२६ | १२७ | १२८ | १२९ | १३० | १३१ | १३२ | १३३ | १३४ | १३५ | १३६ | १३७ | १३८ | १३९ | १४० | १४१ |   |
| १२१ | १२२ | १२३ | १२४ | १२५ | १२६ | १२७ | १२८ | १२९ | १३० | १३१ | १३२ | १३३ | १३४ | १३५ | १३६ | १३७ | १३८ | १३९ | १४० | १४१ | १४२ | १४३ | १४४ | १४५ | १४६ | १४७ | १४८ | १४९ | १५० | १५१ |   |

पुरोर्वक्रांशः २२० मार्गः १३० पञ्चदशः १४ मासद्वयः २४६ वक्रदिनाभि ११२ अस्तदिनाभि ३३ ॥

॥ अयगुरोः कलंशीघ्रमान्दच० सन्दीप० भ० ६०७ । ५। २१ । २२। २३ । ति० ५। ० ।।

उदा०

१७

[illegible]

[illegible]



|     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| को  | १   | २   | ३   | ४   | ५   | ६   | ७   | ८   | ९   | १०  | ११  | १२  | १३  | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  |     |
| शी  | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   |
| मां | ६   | १२  | १८  | २३  | २९  | ३५  | ४१  | ४७  | ५३  | ५९  | ६   | १२  | १७  | २३  | २९  | ३५  | ४१  | ४७  | ५३  | ५९  | ६   | १२  | १७  | २३  | २९  | ३५  | ४१  | ४७  | ५३  | ५९  | ६   |
| को  | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   |
| शी  | ०   | १५  | ३०  | ४५  | ६०  | ७५  | ९०  | १०५ | १२० | १३५ | १५० | १६५ | १८० | १९५ | २१० | २२५ | २४० | २५५ | २७० | २८५ | ३०० | ३१५ | ३३० | ३४५ | ३६० | ३७५ | ३९० | ४०५ | ४२० | ४३५ | ४५० |
| मां | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  | ३१  | ३२  | ३३  | ३४  | ३५  | ३६  | ३७  | ३८  | ३९  | ४०  | ४१  | ४२  | ४३  | ४४  | ४५  | ४६  | ४७  | ४८  | ४९  | ५०  | ५१  |
| को  | २   | ३   | ४   | ५   | ६   | ७   | ८   | ९   | १०  | ११  | १२  | १३  | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  | ३१  | ३२  |
| शी  | ५७  | ५८  | ५९  | ६०  | ६१  | ६२  | ६३  | ६४  | ६५  | ६६  | ६७  | ६८  | ६९  | ७०  | ७१  | ७२  | ७३  | ७४  | ७५  | ७६  | ७७  | ७८  | ७९  | ८०  | ८१  | ८२  | ८३  | ८४  | ८५  | ८६  | ८७  |
| मां | ३   | ४   | ५   | ६   | ७   | ८   | ९   | १०  | ११  | १२  | १३  | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  | ३१  | ३२  | ३३  |
| को  | ३   | ४   | ५   | ६   | ७   | ८   | ९   | १०  | ११  | १२  | १३  | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  | ३१  | ३२  | ३३  |
| शी  | ६९  | ७०  | ७१  | ७२  | ७३  | ७४  | ७५  | ७६  | ७७  | ७८  | ७९  | ८०  | ८१  | ८२  | ८३  | ८४  | ८५  | ८६  | ८७  | ८८  | ८९  | ९०  | ९१  | ९२  | ९३  | ९४  | ९५  | ९६  | ९७  | ९८  | ९९  |
| मां | ५   | ६   | ७   | ८   | ९   | १०  | ११  | १२  | १३  | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  | ३१  | ३२  | ३३  | ३४  | ३५  |
| को  | ६   | ७   | ८   | ९   | १०  | ११  | १२  | १३  | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  | ३१  | ३२  | ३३  | ३४  | ३५  | ३६  |
| शी  | १०५ | १०६ | १०७ | १०८ | १०९ | ११० | १११ | ११२ | ११३ | ११४ | ११५ | ११६ | ११७ | ११८ | ११९ | १२० | १२१ | १२२ | १२३ | १२४ | १२५ | १२६ | १२७ | १२८ | १२९ | १३० | १३१ | १३२ | १३३ | १३४ | १३५ |
| मां | ६   | ७   | ८   | ९   | १०  | ११  | १२  | १३  | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  | ३१  | ३२  | ३३  | ३४  | ३५  | ३६  |



[illegible]

इएकोष्ठमध्येयदाग्रहः पतनितदामित्रप्रानामध्येतत्फलं क्रुणकावर्त्य ॥ स्पष्टग्रहमध्येयदाचरणं पतनितदामित्रप्रानामध्येतत्फलं क्रुणकावर्त्य ॥ अथाऽगस्त्योदयाऽस्तोशाः ५।११।२०।१ इहोऽर्कगस्त्योदयः १।१०।३२।२० ईहोऽर्कगस्त्यास्तः ॥

॥ प्रहणाचरणनेवशचक्रम ॥ इहोदके श २०० अगस्त्यस्तः ॥ इहोदके अगस्त्योदयः श २४०० काश्याम् ॥

उदा०

२०

| नक्षत्र | प्रथम    | द्वितीया | तृतीया   | चतुर्थी  |
|---------|----------|----------|----------|----------|
| रे      | ११ २० ०० | ११ २३ २० | ११ २६ ४० | ० ० ०    |
| उ       | ११ ६ ४०  | ११ १० ०० | ११ १३ २० | ११ १६ ४० |
| पू      | १० २३ २० | १० २६ ४० | ११ ० ०   | ११ ३ २०  |
| आ       | १० १० ०० | १० १३ २० | १० १६ ४० | १० २० ०  |
| ध       | ९ २६ ४०  | १० ० ०   | १० ३ २०  | १० ६ ४०  |
| श       | ९ १३ २०  | ९ २६ ४०  | ९ ३० ००  | ९ २३ २०  |
| उ       | ९ ० ०    | ९ ३ २०   | ९ ६ ४०   | ९ १० ००  |
| पू      | ८ १६ ४०  | ८ २० ००  | ८ २३ २०  | ८ २६ ४०  |
| आ       | ८ ३ २०   | ८ ६ ४०   | ८ १० ००  | ८ १३ २०  |
| जे      | ७ २० ००  | ७ २३ २०  | ७ २६ ४०  | ८ ० ०    |
| जे      | ७ ६ ४०   | ७ १० ००  | ७ १३ २०  | ७ १६ ४०  |
| वि      | ६ १३ २०  | ६ २६ ४०  | ७ ० ०    | ७ ३ २०   |
| स्वा    | ६ १० ००  | ६ १३ २०  | ६ १६ ४०  | ६ २० २०  |
| चि      | ६ २६ ४०  | ६ ० ०    | ६ १३ २०  | ६ ६ ४०   |
| ह       | ५ १३ २०  | ५ २६ ४०  | ५ ३० ००  | ५ २३ २०  |
| उ       | ५ ० ०    | ५ ३ २०   | ५ ६ ४०   | ५ १० ००  |
| पू      | ४ १६ ४०  | ४ २० ००  | ४ २३ २०  | ४ २६ ४०  |
| म       | ४ ३ २०   | ४ ६ ४०   | ४ १० ००  | ४ १३ २०  |
| कुले    | ३ २० ००  | ३ २३ २०  | ३ २६ ४०  | ४ ० ०    |
| पु      | ३ ६ ४०   | ३ १० २०  | ३ १ २०   | ३ १६ ४०  |
| पु      | २ २३ २०  | २ २६ ४०  | ३ ० ०    | ३ ३ १०   |
| आ       | २ १० ००  | २ १३ २०  | २ १६ ४०  | २ २० ००  |
| मृ      | १ २६ ४०  | १ ० ०    | १ ३ २०   | १ ६ ४०   |
| रो      | १ १३ २०  | १ १६ ४०  | १ २० ००  | १ २३ २०  |
| रु      | १ ० ०    | १ ३ २०   | १ ६ ४०   | १ १० ०   |
| भ       | ० १६ ४०  | ० २० ०   | ० २३ २०  | ० २६ ४०  |
| श       | ० ३ २०   | ० ६ ४०   | ० १० ०   | ० १३ २०  |
| १       |          |          |          |          |
| २       |          |          |          |          |
| ३       |          |          |          |          |
| ४       |          |          |          |          |

पवितकेन्द्रांशा अधिकाः संति इष्टकेन्द्रांशा न्यूनाः तदा फलं नृणां मिश्रमागवाशदिमध्ये दा इष्टकोष्टकेन्द्रांशा अधिकान्ति पवितकेन्द्रांशा न्यूनास्तदा फलं मिश्रमागवाशदिमध्ये यन्म ॥

मसा

२०

वर्षमान पादप्रवेश परन्तु पूर्वपदेनान्तरकार्यम्

| ०  | १  | २  | ३  | ४  | ५   | ६   | ७   | ८   | ९   | १०  | ११  | १२  | १३  | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | कोष्ठ० |
|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|--------|
| २  | २  | ३  | ३  | ३  | ३   | ३   | ३   | ३   | ३   | ४   | ४   | ४   | ४   | ४   | ४   | ५   | ५   | ५   | ५   | चटी    |
| ४७ | ५६ | ५  | १४ | २४ | ३३  | ४०  | ४९  | ५९  | १   | १०  | २०  | ३०  | ४०  | ५०  | ६०  | ७०  | ८०  | ९०  | १०० | पल     |
| ०० | १६ | ३५ | ५९ | ८९ | १२० | १५० | १८० | २१० | २४० | २७० | ३०० | ३३० | ३६० | ३९० | ४२० | ४५० | ४८० | ५१० | ५४० | विपल   |
| ३० | ३९ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५  | ४६  | ४७  | ४८  | ४९  | ५०  | ५१  | ५२  | ५३  | ५४  | ५५  | ५६  | ५७  | ५८  | ५९  | कोष्ठ० |
| ७  | ७  | ७  | ८  | ८  | ८   | ८   | ८   | ८   | ८   | ९   | ९   | ९   | ९   | ९   | ९   | १०  | १०  | १०  | १०  | चटी    |
| ३९ | ४९ | ५९ | ६  | १६ | २६  | ३६  | ४६  | ५६  | ६६  | ७६  | ८६  | ९६  | १०६ | ११६ | १२६ | १३६ | १४६ | १५६ | १६६ | पल     |
| ६० | ०० | ०० | ०० | ०० | ००  | ००  | ००  | ००  | ००  | ००  | ००  | ००  | ००  | ००  | ००  | ००  | ००  | ००  | ००  | विपल   |
| ६९ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६  | ६७  | ६८  | ६९  | ७०  | ७१  | ७२  | ७३  | ७४  | ७५  | ७६  | ७७  | ७८  | ७९  | ८०  | कोष्ठ० |
| १३ | १३ | १३ | १३ | १३ | १४  | १४  | १४  | १४  | १४  | १५  | १५  | १५  | १५  | १५  | १५  | १६  | १६  | १६  | १६  | चटी    |
| ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३   | ३   | ३   | ३   | ३   | ४   | ४   | ४   | ४   | ४   | ४   | ४   | ४   | ४   | ४   | पल     |
| २० | ६  | ५२ | ३६ | २४ | १०  | ५९  | ४८  | ३७  | २६  | १५  | ४   | ३   | २   | १   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | विपल   |

[illegible]

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ११ | ११ | ०  | ०  | १६ | १६ | १७ | १७ | १८ | १८ | १९ | १९ | २० | २० | २१ | २१ | २२ | २२ | २३ | २३ | २४ | २४ | २५ | २५ | २६ | २६ | २७ | २७ | २८ | २८ | २९ | २९ | ३० |
| ०  | २२ | २२ | २३ | २३ | २४ | २४ | २४ | २५ | २५ | २६ | २६ | २७ | २७ | २८ | २८ | २९ | २९ | ३० | ३० | ३१ | ३१ | ३२ | ३२ | ३३ | ३३ | ३४ | ३४ | ३५ | ३५ | ३६ | ३६ | ३७ |
| ११ | ८  | ०  | १६ | १६ | १७ | १७ | १८ | १८ | १९ | १९ | २० | २० | २१ | २१ | २२ | २२ | २३ | २३ | २४ | २४ | २५ | २५ | २६ | २६ | २७ | २७ | २८ | २८ | २९ | २९ | ३० | ३० |

|    |    |    |    |    |    |    |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |
|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७  | ६८  | ६९  | ७०  | ७१  | ७२  | ७३  | ७४  | ७५  | ७६  | ७७  | ७८  | ७९  | ८०  | ८१  | ८२  | ८३  | ८४  | ८५  | ८६  | ८७  | ८८  | ८९  | ९०  |     |     |
| २० | २१ | २१ | २१ | २१ | २१ | २२ | २२  | २२  | २२  | २२  | २२  | २२  | २३  | २३  | २३  | २३  | २३  | २३  | २३  | २३  | २३  | २३  | २३  | २३  | २४  | २४  | २४  | २४  | २४  | २४  | २४  | २४  |
| ३७ | ४९ | ४९ | ४९ | ४९ | ४९ | ५० | ५०  | ५०  | ५०  | ५०  | ५०  | ५०  | ५१  | ५१  | ५१  | ५१  | ५१  | ५१  | ५१  | ५१  | ५१  | ५१  | ५१  | ५२  | ५२  | ५२  | ५२  | ५२  | ५२  | ५२  | ५२  | ५२  |
| ३० | ५६ | ३२ | ४८ | ६४ | ८० | ९६ | ११२ | १२८ | १४४ | १६० | १७६ | १९२ | २०८ | २२४ | २४० | २५६ | २७२ | २८८ | ३०४ | ३२० | ३३६ | ३५२ | ३६८ | ३८४ | ४०० | ४१६ | ४३२ | ४४८ | ४६४ | ४८० | ४९६ | ५१२ |

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|
| १  | २  | ३  | ४  | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  |     |     |    |
| ४  | ९  | १४ | १८ | २३ | २८ | ३२ | ३७ | ४२ | ४६ | ५१ | ५६ | ६० | ६५ | ६९ | ७४ | ७८ | ८३ | ८७ | ९२ | ९६ | १०० | १०५ | ११० | ११५ | १२० | १२५ | १३० | १३५ | १४० | १४५ | १५० |    |
| ४३ | २५ | ८  | १९ | २१ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२  | २२  | २२  | २२  | २२  | २२  | २२  | २२  | २२  | २२  | २२  | २२ |

अतिकातिसूक्ष्म ॥ अथ कलादिशर. ॥

यस्यशविदोपकलाचन्द्रस्यजुजांशसंमिती कोषकस्यशरसापताग्राह्यशरशरसूक्ष्मः कलादिनिवृत्तागुलादिभिर्विनि ॥ इयं सूक्ष्मा

|    |       |
|----|-------|
| ०० |       |
| ०० |       |
| ०० | ० ० ० |
| ०० | ० ० ० |
| ०० | २३३५१ |
| ०० | २३१२३ |
| ०० | २२०५८ |
| ०० | २२६६७ |
| ०० | २२३४७ |
| ०० | २२०७  |
| ०० | २१८२७ |
| ०० | २१५३५ |
| ०० | २१२४२ |
| ०० | २०९४९ |
| ०० | २०६४५ |
| ०० | २०३४२ |
| ०० | २००३९ |
| ०० | १९३२५ |
| ०० | १८४१० |
| ०० | १९०१५ |
| ०० | १८७३० |
| ०० | १८४४  |
| ०० | १८१२९ |
| ०० | १७७४  |
| ०० | १७३२९ |
| ०० | १६९५४ |
| ०० | १६६१० |
| ०० | १६२२६ |
| ०० | १५८२  |
| ०० | १५४५८ |
| ०० | १५११४ |
| ०० | १४७३० |
| ०० | १४३२० |
| ०० | १३९१० |

| प्रमाणकालिका |        |
|--------------|--------|
| २०           | २७००   |
| २१           | २६९५४  |
| २२           | २६९४६  |
| २३           | २६९३७  |
| २४           | २६९२०  |
| २५           | २६९१२  |
| २६           | २६९०३० |
| २७           | २६८५४  |
| २८           | २६८१७  |
| २९           | २६६४०  |
| ३०           | २६५४८  |
| ३१           | २६४५७  |
| ३२           | २६४६   |
| ३३           | २६३०   |
| ३४           | २६१५४  |
| ३५           | २६०४८  |
| ३६           | २५९३८  |
| ३७           | २५८९   |
| ३८           | २५६४८  |
| ३९           | २५५१२  |
| ४०           | २५३३६  |
| ४१           | २५२०   |
| ४२           | २५०१३  |
| ४३           | २४८१६  |
| ४४           | २४६३९  |
| ४५           | २४४३८  |
| ४६           | २४२३७  |
| ४७           | २४०३५  |
| ४८           | २३८२१  |
| ४९           | २३६६   |

|   |   |   |   |   |   |   |   |   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|---|
| 7 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 | 101 | 102 | 103 | 104 | 105 | 106 | 107 | 108 | 109 | 110 | 111 | 112 | 113 | 114 | 115 | 116 | 117 | 118 | 119 | 120 | 121 | 122 | 123 | 124 | 125 | 126 | 127 | 128 | 129 | 130 | 131 | 132 | 133 | 134 | 135 | 136 | 137 | 138 | 139 | 140 | 141 | 142 | 143 | 144 | 145 | 146 | 147 | 148 | 149 | 150 | 151 | 152 | 153 | 154 | 155 | 156 | 157 | 158 | 159 | 160 | 161 | 162 | 163 | 164 | 165 | 166 | 167 | 168 | 169 | 170 | 171 | 172 | 173 | 174 | 175 | 176 | 177 | 178 | 179 | 180 | 181 | 182 | 183 | 184 | 185 | 186 | 187 | 188 | 189 | 190 | 191 | 192 | 193 | 194 | 195 | 196 | 197 | 198 | 199 | 200 | 201 | 202 | 203 | 204 | 205 | 206 | 207 | 208 | 209 | 210 | 211 | 212 | 213 | 214 | 215 | 216 | 217 | 218 | 219 | 220 | 221 | 222 | 223 | 224 | 225 | 226 | 227 | 228 | 229 | 230 | 231 | 232 | 233 | 234 | 235 | 236 | 237 | 238 | 239 | 240 | 241 | 242 | 243 | 244 | 245 | 246 | 247 | 248 | 249 | 250 | 251 | 252 | 253 | 254 | 255 | 256 | 257 | 258 | 259 | 260 | 261 | 262 | 263 | 264 | 265 | 266 | 267 | 268 | 269 | 270 | 271 | 272 | 273 | 274 | 275 | 276 | 277 | 278 | 279 | 280 | 281 | 282 | 283 | 284 | 285 | 286 | 287 | 288 | 289 | 290 | 291 | 292 | 293 | 294 | 295 | 296 | 297 | 298 | 299 | 300 | 301 | 302 | 303 | 304 | 305 | 306 | 307 | 308 | 309 | 310 | 311 | 312 | 313 | 314 | 315 | 316 | 317 | 318 | 319 | 320 | 321 | 322 | 323 | 324 | 325 | 326 | 327 | 328 | 329 | 330 | 331 | 332 | 333 | 334 | 335 | 336 | 337 | 338 | 339 | 340 | 341 | 342 | 343 | 344 | 345 | 346 | 347 | 348 | 349 | 350 | 351 | 352 | 353 | 354 | 355 | 356 | 357 | 358 | 359 | 360 | 361 | 362 | 363 | 364 | 365 | 366 | 367 | 368 | 369 | 370 | 371 | 372 | 373 | 374 | 375 | 376 | 377 | 378 | 379 | 380 | 381 | 382 | 383 | 384 | 385 | 386 | 387 | 388 | 389 | 390 | 391 | 392 | 393 | 394 | 395 | 396 | 397 | 398 | 399 | 400 | 401 | 402 | 403 | 404 | 405 | 406 | 407 | 408 | 409 | 410 | 411 | 412 | 413 | 414 | 415 | 416 | 417 | 418 | 419 | 420 | 421 | 422 | 423 | 424 | 425 | 426 | 427 | 428 | 429 | 430 | 431 | 432 | 433 | 434 | 435 | 436 | 437 | 438 | 439 | 440 | 441 | 442 | 443 | 444 | 445 | 446 | 447 | 448 | 449 | 450 | 451 | 452 | 453 | 454 | 455 | 456 | 457 | 458 | 459 | 460 | 461 | 462 | 463 | 464 | 465 | 466 | 467 | 468 | 469 | 470 | 471 | 472 | 473 | 474 | 475 | 476 | 477 | 478 | 479 | 480 | 481 | 482 | 483 | 484 | 485 | 486 | 487 | 488 | 489 | 490 | 491 | 492 | 493 | 494 | 495 | 496 | 497 | 498 | 499 | 500 | 501 | 502 | 503 | 504 | 505 | 506 | 507 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 | 517 | 518 | 519 | 520 | 521 | 522 | 523 | 524 | 5 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|---|



[illegible]

नक्षत्रस्य गतैष्यथाटिकैक्य भोगतदशा चन्द्रविचित्रपात्र विवसंक्रान्तिवशात्सैकनयो ज्यचन्द्रविचित्रपात्रविचित्रपात्रादिना हीनभंगुलाः  
दिग्रसो भवति ग्रसो विंशति गुणितः चन्द्रविचित्रपात्रो विंशोपकास्त्युः इति चन्द्रग्रहणम् अयसंक्रान्तिः प्रत्यक्षः सायनांशग्रह भुजान्  
शसस्मितकोष्ठकस्याक्रान्ति सामुपातात् ग्रहणा ॥

|    |    |    |    |    |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |
|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| 9  | 2  | 2  | 4  | 4  | 5   | 5   | 7   | 9   | 9   | 12  | 12  | 13  | 14  | 15  | 16  | 17  | 18  | 19  | 20  | 21  | 22  | 23  | 24  | 25  | 26  |
| 0  | 0  | 0  | 1  | 1  | 2   | 2   | 3   | 3   | 4   | 4   | 5   | 5   | 6   | 6   | 7   | 7   | 8   | 8   | 9   | 9   | 0   | 0   | 1   | 1   | 2   |
| 25 | 40 | 55 | 70 | 85 | 100 | 115 | 130 | 145 | 160 | 175 | 190 | 205 | 220 | 235 | 250 | 265 | 280 | 295 | 310 | 325 | 340 | 355 | 370 | 385 | 400 |

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|---|
| २० | ३३ | ३३ | ३४ | ३४ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |    |   |
| २० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ |   |
| ५४ | ६३ | ६० | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ |   |
| ८  | ७  | ६  | ५  | ४  | ३  | २  | १  | ०  | ९  | ८  | ७  | ६  | ५  | ४  | ३  | २  | १  | ०  | ९  | ८  | ७  | ६  | ५  | ४  | ३  | २  | १  | ०  | ९  | ८ |

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० |
| ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ |
| २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ |
| ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ |

॥ अथ चन्द्रदर्शने कर्णव्यक्तकुहघटीप्रतिपत्ताष्टि ६० क्षिमेऽहर्भितं ॥ रवीन्दुपातनाडिकातिरेकनः शशीद्वयते

अस्यार्यः अमावास्या घटीषष्ठ्याप्रोत्पदिनेशान्संयोज्यसूर्यराहुघटीमश्वदधिकास्तदाशशीहृश्यते मीनेमेपोदयेचन्द्रः  
प्रायः स्यादक्षिणोन्नतः ॥ शेषेषु चोन्नरंथुंगं समतावृत्तकुम्भयोः ॥ विस्मृतः स्यात्समर्थेदौ दुर्भिक्षं दक्षिणोन्नते ॥ १ ॥

॥ ग्यादीनां सप्तदिनगणकः राश्यादिः ॥

॥ चन्द्रदर्शनसारिणी ॥

उदा०

२३

| मू. | च  | म  | सुके | दु | शुभ | श  | रा | कु | ह्रि |
|-----|----|----|------|----|-----|----|----|----|------|
| ०   | ३  | ०  | ११   | ०  | ११  | ०  | ०  | ०  | ०    |
| ६   | ३  | ३  | ८    | ०  | २५  | ०  | ०  | ०  | २६   |
| ५३  | १४ | १० | १५   | ३४ | ४१  | १४ | २२ | ४६ | ३८   |
| ५७  | ४  | ५  | १०   | ५४ | ३   | ३  | १५ | ४६ | ४५   |
| १३  | ५६ | १७ | २६   | १  | ५१  |    | १४ | ४७ | २७   |
| ०   |    |    |      |    |     |    |    |    |      |
| ध   | प  | ध  | ध    | ध  | ध   | ध  | भू | ध  | भू   |
| १२  | ५३ | १८ | १६   | १० | ५१  | १४ | २४ | २३ | ०    |
| ४४  | ११ | २  | ५०   | १० | ५२  | ०  | ५७ | ३० | ०    |
| २७  | १४ | २७ | ३०   | ३३ | ३२  | २७ | ५६ | ४८ | ०    |
| २०  | ०  | २७ | ०    | ११ | ०   | २२ | ५७ | ५६ | ०    |

म.सा.  
२४

| ०  | ०   | १  | २  | ३  | ४  | ५  | ६  | ७  | ८  | ९   | रा  | रा | रा | रा | रा | रा |
|----|-----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|----|----|----|----|----|
| मे | १२  | ४३ | ५४ | ५५ | ५२ | ५६ | ५७ | ५४ | ५२ | ५२  | ५५  | ५३ | ५५ | ५२ | ५२ |    |
| द  | २२  | ४८ | ५१ | ५७ | ५८ | ५७ | ५७ | ५५ | ५३ | ५३  | ५०  | ४६ | ४७ | ४७ | ४७ |    |
| मि | ३२  | ४४ | ४७ | ५६ | ५७ | ५९ | ६२ | ६३ | ६३ | ६३  | ५६  | ५१ | ४९ | ४९ | ४४ |    |
| क  | ४२  | ४८ | ४९ | ५३ | ६० | ६४ | ७३ | ७७ | ७७ | ७२  | ६६  | ६२ | ६२ | ६२ | ५२ |    |
| सि | ५२  | ५४ | ५८ | ६१ | ६४ | ७१ | ८२ | ८९ | ९६ | ९३  | ८२  | ८२ | ८२ | ७२ | ७२ |    |
| क  | ६२  | ७९ | ६९ | ६५ | ६५ | ६८ | ७६ | ८८ | ९७ | १०२ | १०० | ९७ | ९७ | ९७ | ८९ |    |
| दु | ७२  | ८४ | ७४ | ६६ | ६२ | ६४ | ६६ | ७५ | ८४ | ८२  | ९७  | ९७ | ९७ | ९७ | ९२ |    |
| दु | ८२  | ७८ | ७१ | ६३ | ५७ | ५४ | ५४ | ५७ | ६६ | ७३  | ७८  | ७८ | ७८ | ७८ | ६६ |    |
| ध  | ९२  | ६६ | ६३ | ५७ | ५२ | ४८ | ४५ | ४२ | ४८ | ४८  | ५१  | ५३ | ५३ | ५३ | ५६ |    |
| म  | १०२ | ५८ | ५८ | ५६ | ५३ | ५० | ४७ | ४६ | ४८ | ४८  | ४८  | ४८ | ४८ | ४८ | ५६ |    |
| कु | ११२ | ५२ | ५६ | ५५ | ५४ | ५३ | ५२ | ५३ | ५३ | ५०  | ५१  | ५१ | ५१ | ५२ | ५३ |    |
| मी | १२२ | ५५ | ५३ | ५५ | ५६ | ५५ | ५५ | ५५ | ५५ | ५५  | ५३  | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ |    |

| स्वा | ६  | ६  | वि   |
|------|----|----|------|
| वि   | १० | ०  | स्वा |
| नु   | ७  | ३  | वि   |
| ने   | ७  | १६ | अ    |
| मू   | ८  | ०  | जे   |
| पू   | ८  | १३ | मू   |
| उ    | ९  | २६ | पू   |
| श    | ९  | १० | उ    |
| ध    | १० | २३ | श    |
| झ    | १० | ६  | घ    |
| हृ   | ११ | ३० | झ    |
| उ    | ११ | २० | हृ   |
| रे   | ११ | २० | पू   |
| रु   | ११ | २६ | उं   |
| आदि  |    |    | आदि  |

चंद्रोच्चगतयः

चन्द्रपानगतयः

भीमगतयः

वृषाग्राश्रानगतयः

उदा०

म.सो.

२५

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |

गुरुगतयः

शुक्रदीप्तीच्चगतयः

शनिगतयः

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |

गुरु शुक्रयोः प्रतीच्यामुदयां  
 शालु ५० शु २६ प्रतीच्यामस्तां  
 शालु ५५ शु १७ प्राच्यामुदयां  
 शालु २० शु २६ प्राच्यामस्तां  
 शालु ३० ॥ ॐ ॥

२५

[illegible]

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| १  | २  | ३  | ४  | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ |
| ०  | १  | १  | २  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  |
| ४२ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ |

ददौ ननतनाडिन्म्यालननग्राह्यसिद्धयटिड्याधिकगन  
 रश्रीभ्रभागसस्फयथागनस्यैवाशकाद्वानाग्राह्यलव  
 नमुनिममदीत्याधिकदेशे ३८० भूक्तं स्फुटं स्थानं न  
 र्धर्षात्सिद्धं नक्रमणपञ्चावने धनमवयमसंभृतं यथा  
 न स्फुटं स्थानं साद्धम् ॥ ३३ ॥

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |  |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|--|
| ୧୫ | ୨୧ | ୨୬ | ୩୧ | ୩୬ | ୪୧ | ୪୬ | ୫୧ | ୫୬ | ୬୧ | ୬୬ | ୭୧ | ୭୬ | ୮୧ | ୮୬ | ୯୧ | ୯୬ | ୧୦୧ | ୧୦୬ | ୧୧୧ | ୧୧୬ | ୧୨୧ | ୧୨୬ | ୧୩୧ | ୧୩୬ | ୧୪୧ | ୧୪୬ | ୧୫୧ | ୧୫୬ | ୧୬୧ | ୧୬୬ | ୧୭୧ | ୧୭୬ | ୧୮୧ | ୧୮୬ | ୧୯୧ | ୧୯୬ | ୨୦୧ | ୨୦୬ | ୨୧୧ | ୨୧୬ | ୨୨୧ | ୨୨୬ | ୨୩୧ | ୨୩୬ | ୨୪୧ | ୨୪୬ | ୨୫୧ | ୨୫୬ | ୨୬୧ | ୨୬୬ | ୨୭୧ | ୨୭୬ | ୨୮୧ | ୨୮୬ | ୨୯୧ | ୨୯୬ | ୩୦୧ | ୩୦୬ | ୩୧୧ | ୩୧୬ | ୩୨୧ | ୩୨୬ | ୩୩୧ | ୩୩୬ | ୩୪୧ | ୩୪୬ | ୩୫୧ | ୩୫୬ | ୩୬୧ | ୩୬୬ | ୩୭୧ | ୩୭୬ | ୩୮୧ | ୩୮୬ | ୩୯୧ | ୩୯୬ | ୪୦୧ | ୪୦୬ | ୪୧୧ | ୪୧୬ | ୪୨୧ | ୪୨୬ | ୪୩୧ | ୪୩୬ | ୪୪୧ | ୪୪୬ | ୪୫୧ | ୪୫୬ | ୪୬୧ | ୪୬୬ | ୪୭୧ | ୪୭୬ | ୪୮୧ | ୪୮୬ | ୪୯୧ | ୪୯୬ | ୫୦୧ | ୫୦୬ | ୫୧୧ | ୫୧୬ | ୫୨୧ | ୫୨୬ | ୫୩୧ | ୫୩୬ | ୫୪୧ | ୫୪୬ | ୫୫୧ | ୫୫୬ | ୫୬୧ | ୫୬୬ | ୫୭୧ | ୫୭୬ | ୫୮୧ | ୫୮୬ | ୫୯୧ | ୫୯୬ | ୬୦୧ | ୬୦୬ | ୬୧୧ | ୬୧୬ | ୬୨୧ | ୬୨୬ | ୬୩୧ | ୬୩୬ | ୬୪୧ | ୬୪୬ | ୬୫୧ | ୬୫୬ | ୬୬୧ | ୬୬୬ | ୬୭୧ | ୬୭୬ | ୬୮୧ | ୬୮୬ | ୬୯୧ | ୬୯୬ | ୭୦୧ | ୭୦୬ | ୭୧୧ | ୭୧୬ | ୭୨୧ | ୭୨୬ | ୭୩୧ | ୭୩୬ | ୭୪୧ | ୭୪୬ | ୭୫୧ | ୭୫୬ | ୭୬୧ | ୭୬୬ | ୭୭୧ | ୭୭୬ | ୭୮୧ | ୭୮୬ | ୭୯୧ | ୭୯୬ | ୮୦୧ | ୮୦୬ | ୮୧୧ | ୮୧୬ | ୮୨୧ | ୮୨୬ | ୮୩୧ | ୮୩୬ | ୮୪୧ | ୮୪୬ | ୮୫୧ | ୮୫୬ | ୮୬୧ | ୮୬୬ | ୮୭୧ | ୮୭୬ | ୮୮୧ | ୮୮୬ | ୮୯୧ | ୮୯୬ | ୯୦୧ | ୯୦୬ | ୯୧୧ | ୯୧୬ | ୯୨୧ | ୯୨୬ | ୯୩୧ | ୯୩୬ | ୯୪୧ | ୯୪୬ | ୯୫୧ | ୯୫୬ | ୯୬୧ | ୯୬୬ | ୯୭୧ | ୯୭୬ | ୯୮୧ | ୯୮୬ | ୯୯୧ | ୯୯୬ | ୧୦୦୧ | ୧୦୦୬ | ୧୦୧୧ | ୧୦୧୬ | ୧୦୨୧ | ୧୦୨୬ | ୧୦୩୧ | ୧୦୩୬ | ୧୦୪୧ | ୧୦୪୬ | ୧୦୫୧ | ୧୦୫୬ | ୧୦୬୧ | ୧୦୬୬ | ୧୦୭୧ | ୧୦୭୬ | ୧୦୮୧ | ୧୦୮୬ | ୧୦୯୧ | ୧୦୯୬ | ୧୧୦୧ | ୧୧୦୬ | ୧୧୧୧ | ୧୧୧୬ | ୧୧୨୧ | ୧୧୨୬ | ୧୧୩୧ | ୧୧୩୬ | ୧୧୪୧ | ୧୧୪୬ | ୧୧୫୧ | ୧୧୫୬ | ୧୧୬୧ | ୧୧୬୬ | ୧୧୭୧ | ୧୧୭୬ | ୧୧୮୧ | ୧୧୮୬ | ୧୧୯୧ | ୧୧୯୬ | ୧୨୦୧ | ୧୨୦୬ | ୧୨୧୧ | ୧୨୧୬ | ୧୨୨୧ | ୧୨୨୬ | ୧୨୩୧ | ୧୨୩୬ | ୧୨୪୧ | ୧୨୪୬ | ୧୨୫୧ | ୧୨୫୬ | ୧୨୬୧ | ୧୨୬୬ | ୧୨୭୧ | ୧୨୭୬ | ୧୨୮୧ | ୧୨୮୬ | ୧୨୯୧ | ୧୨୯୬ | ୧୩୦୧ | ୧୩୦୬ | ୧୩୧୧ | ୧୩୧୬ | ୧୩୨୧ | ୧୩୨୬ | ୧୩୩୧ | ୧୩୩୬ | ୧୩୪୧ | ୧୩୪୬ | ୧୩୫୧ | ୧୩୫୬ | ୧୩୬୧ | ୧୩୬୬ | ୧୩୭୧ | ୧୩୭୬ | ୧୩୮୧ | ୧୩୮୬ | ୧୩୯୧ | ୧୩୯୬ | ୧୪୦୧ | ୧୪୦୬ | ୧୪୧୧ | ୧୪୧୬ | ୧୪୨୧ | ୧୪୨୬ | ୧୪୩୧ | ୧୪୩୬ | ୧୪୪୧ | ୧୪୪୬ | ୧୪୫୧ | ୧୪୫୬ | ୧୪୬୧ | ୧୪୬୬ | ୧୪୭୧ | ୧୪୭୬ | ୧୪୮୧ | ୧୪୮୬ | ୧୪୯୧ | ୧୪୯୬ | ୧୫୦୧ | ୧୫୦୬ | ୧୫୧୧ | ୧୫୧୬ | ୧୫୨୧ | ୧୫୨୬ | ୧୫୩୧ | ୧୫୩୬ | ୧୫୪୧ | ୧୫୪୬ | ୧୫୫୧ | ୧୫୫୬ | ୧୫୬୧ | ୧୫୬୬ | ୧୫୭୧ | ୧୫୭୬ | ୧୫୮୧ | ୧୫୮୬ | ୧୫୯୧ | ୧୫୯୬ | ୧୬୦୧ | ୧୬୦୬ | ୧୬୧୧ | ୧୬୧୬ | ୧୬୨୧ | ୧୬୨୬ | ୧୬୩୧ | ୧୬୩୬ | ୧୬୪୧ | ୧୬୪୬ | ୧୬୫୧ | ୧୬୫୬ | ୧୬୬୧ | ୧୬୬୬ | ୧୬୭୧ | ୧୬୭୬ | ୧୬୮୧ | ୧୬୮୬ | ୧୬୯୧ | ୧୬୯୬ | ୧୭୦୧ | ୧୭୦୬ | ୧୭୧୧ | ୧୭୧୬ | ୧୭୨୧ | ୧୭୨୬ | ୧୭୩୧ | ୧୭୩୬ | ୧୭୪୧ | ୧୭୪୬ | ୧୭୫୧ | ୧୭୫୬ | ୧୭୬୧ | ୧୭୬୬ | ୧୭୭୧ | ୧୭୭୬ | ୧୭୮୧ | ୧୭୮୬ | ୧୭୯୧ | ୧୭୯୬ | ୧୮୦୧ | ୧୮୦୬ | ୧୮୧୧ | ୧୮୧୬ | ୧୮୨୧ | ୧୮୨୬ | ୧୮୩୧ | ୧୮୩୬ | ୧୮୪୧ | ୧୮୪୬ | ୧୮୫୧ | ୧୮୫୬ | ୧୮୬୧ | ୧୮୬୬ | ୧୮୭୧ | ୧୮୭୬ | ୧୮୮୧ | ୧୮୮୬ | ୧୮୯୧ | ୧୮୯୬ | ୧୯୦୧ | ୧୯୦୬ | ୧୯୧୧ | ୧୯୧୬ | ୧୯୨୧ | ୧୯୨୬ | ୧୯୩୧ | ୧୯୩୬ | ୧୯୪୧ | ୧୯୪୬ | ୧୯୫୧ | ୧୯୫୬ | ୧୯୬୧ | ୧୯୬୬ | ୧୯୭୧ | ୧୯୭୬ | ୧୯୮୧ | ୧୯୮୬ | ୧୯୯୧ | ୧୯୯୬ | ୨୦୦୧ | ୨୦୦୬ | ୨୦୧୧ | ୨୦୧୬ | ୨୦୨୧ | ୨୦୨୬ | ୨୦୩୧ | ୨୦୩୬ | ୨୦୪୧ | ୨୦୪୬ | ୨୦୫୧ | ୨୦୫୬ | ୨୦୬୧ | ୨୦୬୬ | ୨୦୭୧ | ୨୦୭୬ | ୨୦୮୧ | ୨୦୮୬ | ୨୦୯୧ | ୨୦୯୬ | ୨୧୦୧ | ୨୧୦୬ | ୨୧୧୧ | ୨୧୧୬ | ୨୧୨୧ | ୨୧୨୬ | ୨୧୩୧ | ୨୧୩୬ | ୨୧୪୧ | ୨୧୪୬ | ୨୧୫୧ | ୨୧୫୬ | ୨୧୬୧ | ୨୧୬୬ | ୨୧୭୧ | ୨୧୭୬ | ୨୧୮୧ | ୨୧୮୬ | ୨୧୯୧ | ୨୧୯୬ | ୨୨୦୧ | ୨୨୦୬ | ୨୨୧୧ | ୨୨୧୬ | ୨୨୨୧ | ୨୨୨୬ | ୨୨୩୧ | ୨୨୩୬ | ୨୨୪୧ | ୨୨୪୬ | ୨୨୫୧ | ୨୨୫୬ | ୨୨୬୧ | ୨୨୬୬ | ୨୨୭୧ | ୨୨୭୬ | ୨୨୮୧ | ୨୨୮୬ | ୨୨୯୧ | ୨୨୯୬ | ୨୩୦୧ | ୨୩୦୬ | ୨୩୧୧ | ୨୩୧୬ | ୨୩୨୧ | ୨୩୨୬ | ୨୩୩୧ | ୨୩୩୬ | ୨୩୪୧ | ୨୩୪୬ | ୨୩୫୧ | ୨୩୫୬ | ୨୩୬୧ | ୨୩୬୬ | ୨୩୭୧ | ୨୩୭୬ | ୨୩୮୧ | ୨୩୮୬ | ୨୩୯୧ | ୨୩୯୬ | ୨୪୦୧ | ୨୪୦୬ | ୨୪୧୧ | ୨୪୧୬ | ୨୪୨୧ | ୨୪୨୬ | ୨୪୩୧ | ୨୪୩୬ | ୨୪୪୧ | ୨୪୪୬ | ୨୪୫୧ | ୨୪୫୬ | ୨୪୬୧ | ୨୪୬୬ | ୨୪୭୧ | ୨୪୭୬ | ୨୪୮୧ | ୨୪୮୬ | ୨୪୯୧ | ୨୪୯୬ | ୨୫୦୧ | ୨୫୦୬ | ୨୫୧୧ | ୨୫୧୬ | ୨୫୨୧ | ୨୫୨୬ | ୨୫୩୧ | ୨୫୩୬ | ୨୫୪୧ | ୨୫୪୬ | ୨୫୫୧ | ୨୫୫୬ | ୨୫୬୧ | ୨୫୬୬ | ୨୫୭୧ | ୨୫୭୬ | ୨୫୮୧ | ୨୫୮୬ | ୨୫୯୧ | ୨୫୯୬ | ୨୬୦୧ | ୨୬୦୬ | ୨୬୧୧ | ୨୬୧୬ | ୨୬୨୧ | ୨୬୨୬ | ୨୬୩୧ | ୨୬୩୬ | ୨୬୪୧ | ୨୬୪୬ | ୨୬୫୧ | ୨୬୫୬ | ୨୬୬୧ | ୨୬୬୬ | ୨୬୭୧ | ୨୬୭୬ | ୨୬୮୧ | ୨୬୮୬ | ୨୬୯୧ | ୨୬୯୬ | ୨୭୦୧ | ୨୭୦୬ | ୨୭୧୧ | ୨୭୧୬ | ୨୭୨୧ | ୨୭୨୬ | ୨୭୩୧ | ୨୭୩୬ | ୨୭୪୧ | ୨୭୪୬ | ୨୭୫୧ | ୨୭୫୬ | ୨୭୬୧ | ୨୭୬୬ | ୨୭୭୧ | ୨୭୭୬ | ୨୭୮୧ | ୨୭୮୬ | ୨୭୯୧ | ୨୭୯୬ | ୨୮୦୧ | ୨୮୦୬ | ୨୮୧୧ | ୨୮୧୬ | ୨୮୨୧ | ୨୮୨୬ | ୨୮୩୧ | ୨୮୩୬ | ୨୮୪୧ | ୨୮୪୬ | ୨୮୫୧ | ୨୮୫୬ | ୨୮୬୧ | ୨୮୬୬ | ୨୮୭୧ | ୨୮୭୬ | ୨୮୮୧ | ୨୮୮୬ | ୨୮୯୧ | ୨୮୯୬ | ୨୯୦୧ | ୨୯୦୬ | ୨୯୧୧ | ୨୯୧୬ | ୨୯୨୧ | ୨୯୨୬ | ୨୯୩୧ | ୨୯୩୬ | ୨୯୪୧ | ୨୯୪୬ | ୨୯୫୧ | ୨୯୫୬ | ୨୯୬୧ | ୨୯୬୬ | ୨୯୭୧ | ୨୯୭୬ | ୨୯୮୧ | ୨୯୮୬ | ୨୯୯୧ | ୨୯୯୬ | ୩୦୦୧ | ୩୦୦୬ | ୩୦୧୧ | ୩୦୧୬ | ୩୦୨୧ | ୩୦୨୬ | ୩୦୩୧ | ୩୦୩୬ | ୩୦୪୧ | ୩୦୪୬ | ୩୦୫୧ | ୩୦୫୬ | ୩୦୬୧ | ୩୦୬୬ | ୩୦୭୧ | ୩୦୭୬ | ୩୦୮୧ | ୩୦୮୬ | ୩୦୯୧ | ୩୦୯୬ | ୩୧୦୧ | ୩୧୦୬ | ୩୧୧୧ | ୩୧୧୬ | ୩୧୨୧ | ୩୧୨୬ | ୩୧୩୧ | ୩୧୩୬ | ୩୧୪୧ | ୩୧୪୬ | ୩୧୫୧ | ୩୧୫୬ | ୩୧୬୧ | ୩୧୬୬ | ୩୧୭୧ | ୩୧୭୬ | ୩୧୮୧ | ୩୧୮୬ | ୩୧୯୧ | ୩୧୯୬ | ୩୨୦୧ | ୩୨୦୬ | ୩୨୧୧ | ୩୨୧୬ | ୩୨୨୧ | ୩୨୨୬ | ୩୨୩୧ | ୩୨୩୬ | ୩୨୪୧ | ୩୨୪୬ | ୩୨୫୧ | ୩୨୫୬ | ୩୨୬୧ | ୩୨୬୬ | ୩୨୭୧ | ୩୨୭୬ | ୩୨୮୧ | ୩୨୮୬ | ୩୨୯୧ | ୩୨୯୬ | ୩୩୦୧ | ୩୩୦୬ | ୩୩୧୧ | ୩୩୧୬ | ୩୩୨୧ | ୩୩୨୬ | ୩୩୩୧ | ୩୩୩୬ | ୩୩୪୧ | ୩୩୪୬ | ୩୩୫୧ | ୩୩୫୬ | ୩୩୬୧ | ୩୩୬୬ | ୩୩୭୧ | ୩୩୭୬ | ୩୩୮୧ | ୩୩୮୬ | ୩୩୯୧ | ୩୩୯୬ | ୩୪୦୧ | ୩୪୦୬ | ୩୪୧୧ | ୩୪୧୬ | ୩୪୨୧ | ୩୪୨୬ | ୩୪୩୧ | ୩୪୩୬ | ୩୪୪୧ | ୩୪୪୬ | ୩୪୫୧ | ୩୪୫୬ | ୩୪୬୧ | ୩୪୬୬ | ୩୪୭୧ | ୩୪୭୬ | ୩୪୮୧ | ୩୪୮୬ | ୩୪୯୧ | ୩୪୯୬ | ୩୫୦୧ | ୩୫୦୬ | ୩୫୧୧ | ୩୫୧୬ | ୩୫୨୧ | ୩୫୨୬ | ୩୫୩୧ | ୩୫୩୬ | ୩୫୪୧ | ୩୫୪୬ | ୩୫୫୧ | ୩୫୫୬ | ୩୫୬୧ | ୩୫୬୬ | ୩୫୭୧ | ୩୫୭୬ | ୩୫୮୧ | ୩୫୮୬ | ୩୫୯୧ | ୩୫୯୬ | ୩୬୦୧ | ୩୬୦୬ | ୩୬୧୧ | ୩୬୧୬ | ୩୬୨୧ | ୩୬୨୬ | ୩୬୩୧ | ୩୬୩୬ | ୩୬୪୧ | ୩୬୪୬ | ୩୬୫୧ | ୩୬୫୬ | ୩୬୬୧ | ୩୬୬୬ | ୩୬୭୧ | ୩୬୭୬ | ୩୬୮୧ | ୩୬୮୬ | ୩୬୯୧ | ୩୬୯୬ | ୩୭୦୧ | ୩୭୦୬ | ୩୭୧୧ | ୩୭୧୬ | ୩୭୨୧ | ୩୭୨୬ | ୩୭୩୧ | ୩୭୩୬ | ୩୭୪୧ | ୩୭୪୬ | ୩୭୫୧ | ୩୭୫୬ | ୩୭୬୧ | ୩୭୬୬ | ୩୭୭୧ | ୩୭୭୬ | ୩୭୮୧ | ୩୭୮୬ | ୩୭୯୧ | ୩୭୯୬ | ୩୮୦୧ | ୩୮୦୬ | ୩୮୧୧ | ୩୮୧୬ | ୩୮୨୧ | ୩୮୨୬ | ୩୮୩୧ | ୩୮୩୬ | ୩୮୪୧ | ୩୮୪୬ | ୩୮୫୧ | ୩୮୫୬ | ୩୮୬୧ | ୩୮୬୬ | ୩୮୭୧ | ୩୮୭୬ | ୩୮୮୧ | ୩୮୮୬ | ୩୮୯୧ | ୩୮୯୬ | ୩୯୦୧ | ୩୯୦୬ | ୩୯୧୧ | ୩୯୧୬ | ୩୯୨୧ | ୩୯୨୬ | ୩୯୩୧ | ୩୯୩୬ | ୩୯୪୧ | ୩୯୪୬ | ୩୯୫୧ | ୩୯୫୬ | ୩୯୬୧ | ୩୯୬୬ | ୩୯୭୧ | ୩୯୭୬ | ୩୯୮୧ | ୩୯୮୬ | ୩୯୯୧ | ୩୯୯୬ | ୪୦୦୧ | ୪୦୦୬ | ୪୦୧୧ | ୪୦୧୬ | ୪୦୨୧ | ୪୦୨୬ | ୪୦୩୧ | ୪୦୩୬ | ୪୦୪୧ | ୪୦୪୬ | ୪୦୫୧ | ୪୦୫୬ | ୪୦୬୧ | ୪୦୬୬ | ୪୦୭୧ | ୪୦୭୬ | ୪୦୮୧ | ୪୦୮୬ | ୪୦୯୧ | ୪୦୯୬ | ୪୧୦୧ | ୪୧୦୬ | ୪୧୧୧ | ୪୧୧୬ | ୪୧୨୧ | ୪୧୨୬ | ୪୧୩୧ | ୪୧୩୬ | ୪୧୪୧ | ୪୧୪୬ | ୪୧୫୧ | ୪୧୫୬ | ୪୧୬୧ | ୪୧୬୬ | ୪୧୭୧ | ୪୧୭୬ | ୪୧୮୧ | ୪୧୮୬ | ୪୧୯୧ | ୪୧୯୬ | ୪୨୦୧ | ୪୨୦୬ | ୪୨୧୧ | ୪୨୧୬ | ୪୨୨୧ | ୪୨୨୬ | ୪୨୩୧ | ୪୨୩୬ | ୪୨୪୧ | ୪୨୪୬ | ୪୨୫୧ | ୪୨୫୬ | ୪୨୬୧ | ୪୨୬୬ | ୪୨୭୧ | ୪୨୭୬ | ୪୨୮୧ | ୪୨୮୬ | ୪୨୯୧ | ୪୨୯୬ | ୪୩୦୧ | ୪୩୦୬ | ୪୩୧୧ | ୪୩୧୬ | ୪୩୨୧ | ୪୩୨୬ | ୪୩୩୧ | ୪୩୩୬ | ୪୩୪୧ | ୪୩୪୬ | ୪୩୫୧ | ୪୩୫୬ | ୪୩୬୧ | ୪୩୬୬ | ୪୩୭୧ | ୪୩୭୬ | ୪୩୮୧ | ୪୩୮୬ | ୪୩୯୧ | ୪୩୯୬ | ୪୪୦୧ | ୪୪୦୬ | ୪୪୧୧ | ୪୪୧୬ | ୪୪୨୧ | ୪୪୨୬ | ୪୪୩୧ | ୪୪୩୬ | ୪୪୪୧ | ୪୪୪୬ | ୪୪୫୧ | ୪୪୫୬ | ୪୪୬୧ | ୪୪୬୬ | ୪୪୭୧ | ୪୪୭୬ | ୪୪୮୧ | ୪୪୮୬ | ୪୪୯୧ | ୪୪୯୬ | ୪୫୦୧ | ୪୫୦୬ | ୪୫୧୧ | ୪୫୧୬ | ୪୫୨୧ | ୪୫୨୬ | ୪୫୩୧ | ୪୫୩୬ | ୪୫୪୧ | ୪୫୪୬ | ୪୫୫୧ | ୪୫୫୬ | ୪୫୬୧ | ୪୫୬୬ | ୪୫୭୧ | ୪୫୭୬ | ୪୫୮୧ | ୪୫୮୬ | ୪୫୯୧ | ୪୫୯୬ | ୪୬୦୧ | ୪୬୦୬ | ୪୬୧୧ | ୪୬୧୬ | ୪୬୨୧ | ୪୬୨୬ | ୪୬୩୧ | ୪୬୩୬ | ୪୬୪୧ | ୪୬୪୬ | ୪୬୫୧ | ୪୬୫୬ | ୪୬୬୧ | ୪୬୬୬ | ୪୬୭୧ | ୪୬୭୬ | ୪୬୮୧ | ୪୬୮୬ | ୪୬୯୧ | ୪୬୯୬ | ୪୭୦୧ | ୪୭୦୬ | ୪୭୧୧ | ୪୭୧୬ | ୪୭୨୧ | ୪୭୨୬ | ୪୭୩୧ | ୪୭୩୬ | ୪୭୪୧ | ୪୭୪୬ | ୪୭୫୧ | ୪୭୫୬ | ୪୭୬୧ | ୪୭୬୬ | ୪୭୭୧ | ୪୭୭୬ | ୪୭୮୧ | ୪୭୮୬ | ୪୭୯୧ | ୪୭୯୬ | ୪୮୦୧ | ୪୮୦୬ | ୪୮୧୧ | ୪୮୧୬ | ୪୮୨୧ | ୪୮୨୬ | ୪୮୩୧ | ୪୮୩୬ | ୪୮୪୧ | ୪୮୪୬ | ୪୮୫୧ | ୪୮୫୬ | ୪୮୬୧ | ୪୮୬୬ | ୪୮୭୧ | ୪୮୭୬ | ୪୮୮୧ | ୪୮୮୬ | ୪୮୯୧ | ୪୮୯୬ | ୪୯୦୧ | ୪୯୦୬ | ୪୯୧୧ | ୪୯୧୬ | ୪୯୨୧ | ୪୯୨୬ | ୪୯୩୧ | ୪୯୩୬ |  |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|--|

[illegible]

आसः स्याद्वाहस्यतमन्वगुणिना ५ च पष्ठि ५५ विरुद्धा द्वा द्वेऽङ्के इति सुगुणिन इत्यन्तेऽस्फुटा आशौ सोविषाणाग्निनिष्प्र स्फुटकोशागानर्हन्ति  
 द्विदोकास्तु ख्यतेभ्यः स्थित्यर्हन्ति न हानान्विननिधिघटिकाः स्पष्टमाक्षीमगनागा। चत्वरस्यप्रहण विशेषकेभ्यस्त्यरुहः ॥ ग्रामानाद्विनिष भ्राज्याग्निके

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| १  | २  | ३  | ४  | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ |
| १  | १  | १  | २  | २  | २  | २  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ४  | ४  | ४  | ४  | ४  | ४  | ४  | ४  | ४  | ४  | ४  | ४  | ४  |
| ५० | ३० | ३० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० |

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ०  | १  | २  | ३  | ४  | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ |
| ०  | १  | २  | ३  | ४  | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ |
| २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ | १० | ९  | ८  | ७  | ६  | ५  | ४  | ३  | २  | १  | ०  | ५० | ४९ | ४८ | ४७ |
| ४८ | ४७ | ४६ | ४५ | ४४ | ४३ | ४२ | ४१ | ४० | ३९ | ३८ | ३७ | ३६ | ३५ | ३४ | ३३ | ३२ | ३१ | ३० | २९ | २८ | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ |

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ |
| ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ |
| २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ | १० | ९  | ८  | ७  | ६  | ५  | ४  | ३  | २  | १  | ०  | ५० | ४९ | ४८ | ४७ |
| ४८ | ४७ | ४६ | ४५ | ४४ | ४३ | ४२ | ४१ | ४० | ३९ | ३८ | ३७ | ३६ | ३५ | ३४ | ३३ | ३२ | ३१ | ३० | २९ | २८ | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ |

| कोष्ठ |    | फल |    | भुक्ति |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|-------|----|----|----|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ०     | २९ | २८ | २७ | २६     | २५ | २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ | १० | ९  | ८  | ७  | ६  | ५  | ४  | ३  | २  | १  | ०  |    |
| ०     | ५९ | ५९ | ५९ | ५९     | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ |
| ०     | ५९ | ५९ | ५९ | ५९     | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ |
| ०     | ५९ | ५९ | ५९ | ५९     | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ |
| ३     | ३  | ३  | ३  | ३      | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  |

| ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | कोष्ठ |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-------|
| ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०     |
| ५  | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २०    |
| ०  | २१ | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २०    |
| २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २     |
| ०३ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२    |
| २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३    |

# ॥ भीमसौरसम् ॥

| कोष्ठ  | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| व      | ३० | २९ | २८ | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ |
| उपकं   | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  |
| दम्    | ६६ | ६५ | ६४ | ६३ | ६२ | ६१ | ६० | ५९ | ५८ | ५७ | ५६ | ५५ | ५४ | ५३ | ५२ | ५१ | ५० | ४९ | ४८ | ४७ |
| सुवर्ग | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  |
| फलम्   | ३७ | ३६ | ३५ | ३४ | ३३ | ३२ | ३१ | ३० | २९ | २८ | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ |

# ॥ भीमसौरसम् ॥

| कोष्ठ  | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| व      | ३० | २९ | २८ | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ |
| उपकं   | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  |
| दम्    | ६६ | ६५ | ६४ | ६३ | ६२ | ६१ | ६० | ५९ | ५८ | ५७ | ५६ | ५५ | ५४ | ५३ | ५२ | ५१ | ५० | ४९ | ४८ | ४७ |
| सुवर्ग | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  |
| फलम्   | ३७ | ३६ | ३५ | ३४ | ३३ | ३२ | ३१ | ३० | २९ | २८ | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ |

| सुवर्ण | फाल्गु |
|--------|--------|
| १      | १      |
| २      | २      |
| ३      | ३      |
| ४      | ४      |
| ५      | ५      |
| ६      | ६      |
| ७      | ७      |
| ८      | ८      |
| ९      | ९      |
| १०     | १०     |
| ११     | ११     |
| १२     | १२     |
| १३     | १३     |
| १४     | १४     |
| १५     | १५     |
| १६     | १६     |
| १७     | १७     |
| १८     | १८     |
| १९     | १९     |
| २०     | २०     |
| २१     | २१     |
| २२     | २२     |
| २३     | २३     |
| २४     | २४     |
| २५     | २५     |
| २६     | २६     |
| २७     | २७     |
| २८     | २८     |
| २९     | २९     |
| ३०     | ३०     |
| ३१     | ३१     |
| ३२     | ३२     |
| ३३     | ३३     |
| ३४     | ३४     |
| ३५     | ३५     |
| ३६     | ३६     |
| ३७     | ३७     |
| ३८     | ३८     |
| ३९     | ३९     |
| ४०     | ४०     |
| ४१     | ४१     |
| ४२     | ४२     |
| ४३     | ४३     |
| ४४     | ४४     |
| ४५     | ४५     |
| ४६     | ४६     |
| ४७     | ४७     |
| ४८     | ४८     |
| ४९     | ४९     |
| ५०     | ५०     |
| ५१     | ५१     |
| ५२     | ५२     |
| ५३     | ५३     |
| ५४     | ५४     |
| ५५     | ५५     |
| ५६     | ५६     |
| ५७     | ५७     |
| ५८     | ५८     |
| ५९     | ५९     |
| ६०     | ६०     |
| ६१     | ६१     |
| ६२     | ६२     |
| ६३     | ६३     |
| ६४     | ६४     |
| ६५     | ६५     |
| ६६     | ६६     |
| ६७     | ६७     |
| ६८     | ६८     |
| ६९     | ६९     |
| ७०     | ७०     |
| ७१     | ७१     |
| ७२     | ७२     |
| ७३     | ७३     |
| ७४     | ७४     |
| ७५     | ७५     |
| ७६     | ७६     |
| ७७     | ७७     |
| ७८     | ७८     |
| ७९     | ७९     |
| ८०     | ८०     |
| ८१     | ८१     |
| ८२     | ८२     |
| ८३     | ८३     |
| ८४     | ८४     |
| ८५     | ८५     |
| ८६     | ८६     |
| ८७     | ८७     |
| ८८     | ८८     |
| ८९     | ८९     |
| ९०     | ९०     |
| ९१     | ९१     |
| ९२     | ९२     |
| ९३     | ९३     |
| ९४     | ९४     |
| ९५     | ९५     |
| ९६     | ९६     |
| ९७     | ९७     |
| ९८     | ९८     |
| ९९     | ९९     |
| १००    | १००    |

॥बुधसौराष्ट्रम्॥

| कोष्ठ०       | २९ | २८ | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ | १० | ९ | ८ | ७ | ६ | ५ | ४ | ३ | २ | १ |
|--------------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| कोष्ठ०       | २९ | २८ | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ | १० | ९ | ८ | ७ | ६ | ५ | ४ | ३ | २ | १ |
| वलीफल<br>म   | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ | १० | ९  | ८  | ७  | ६  | ५  | ४  | ३ | २ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| उपकंद<br>फलम | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ | १० | ९  | ८  | ७  | ६  | ५  | ४  | ३ | २ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| सुवली<br>फलम | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ | १० | ९  | ८  | ७  | ६  | ५  | ४  | ३ | २ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

॥ बुधस्मारेभम् ॥

[illegible]



[illegible]

॥ शुक्रसौरभम् ॥

[illegible]



| उप<br>को. | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
|-----------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| १         | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |

## ॥ इति शतसंस्कारम् ॥

| उप<br>को. | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
|-----------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| १         | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ अयं तीर्णपञ्चागावृत्तनपंचंगिता ॥ ११ गणाधीशं नमस्तस्य जीर्णपञ्चादिभूतने ॥ पंचांगे सुगमोपाये नीलकंठेन कथ्यते ॥ ११ धृत्वाख्या १८ नवभूमयो सुगमिता १९ १९ १९ १९ नगेंद्रो १८ स्वधृक् १७ यद्वारं धृतया १८ १८ १८ १८ घटीजयमलेज्यधमिक ३५



## ॥ अथ मकरंदस्य उदाहरणप्रारंभः ॥

॥ श्रीगणेशायनमः ॥ ॥ नत्तागजाननं देवविष्णवायः करोत्यसौ ॥ उदाहरणमुदाहृत्वा मकरन्दस्य पलतः ॥ १ ॥ श्रीसूयैति ॥ प्रज्ञायतः प्रायेति ॥ श्रीमाच्छिवादिति ॥ पृष्ठस्थितासन्नेति ॥ स्पष्टार्थानिपद्याति ॥ अयं पंचांगसाधनं ॥ तत्रादौ तिथि साधनं ॥ तत्र अभीष्टवर्षी-  
रिति थि वारादि साधनमाह इष्टशकमध्ये पुस्तकीयशकः शोधयः ॥ सयथा ॥ पुस्तकीयशकपंचोऽष्टशकास्तत्तोऽन्योन्यूनः शको भवति स शो-  
धः यावदग्निमपुस्तकीयशकतुल्यो भवति तदनंतरं ह्येतुल्य योर्मध्ये पुस्तकीयशकापेक्षया एकाधिको भूत्वा इष्टशकः अग्रे गच्छति तदा सन-  
शोधयः ॥ यस्तुल्यो जातः संशोधयः ॥ न च या ॥ इष्टशकः १५।५१ एतन्मध्ये अयं १५।१६ पुस्तकीयशकस्तावच्छोधयः ॥ यावदग्निमु-  
स्तकीयशकः १५६० तुल्यो भवति ॥ तदनंतरं इष्टशकः १५।६२ मध्ये अयं १५।६० पुस्तकीयशकः शोधयः यावदग्निमपुस्तकीयशकः १७।७६ तुल्यो भवति  
एवमेव ॥ ननु पुस्तकीये १५।६० इष्टशकयोस्तुल्यतायां इष्टशकमध्ये १५।६० पुस्तकीयशकः १५६० इष्टशकः १५६० इष्टशक-  
इति किमयमुक्तमिति चेदुच्येत तत्र कारणं ॥ पुस्तकीयशकपंचोऽष्टशकः एकमाह स्य योऽष्टशकः शोधयः इति कारणत्वात् शकद्वयतुल्यतायामयमेव शोधय-  
स्तुक्तं ॥ एवं कृतपोऽष्टशकपाणि संति ॥ अतएव पुस्तकीयशकपंचोऽष्टशकः स्यात् ॥ इति कारणत्वात् शकद्वयतुल्यतायामयमेव शोधय-  
पि दाविनाति ॥ पंचगुणावादे विशेषः ॥ यदा पुस्तकीयशकादधस्य तिथि वारादिकं स्यात् तदधस्य वारस्तीत्याद्यादौ तुल्यशकयोः तरे शोधयं शून्यं अवाशि-  
त्यमेतदिशेषपंचोऽन्यकोऽन्योऽस्ति इति कल्पनात् शकादधस्य मेव यदौ तिथ्यादिकं भवति ॥ इदं प्रवेष्टुं कारणस्तत्तुल्यं ॥ न च या ॥ इष्टशकः ॥  
१५६० एतन्मध्ये पुस्तकीयशकः १५६० शोधयिते शोधयः ॥ १६ पुस्तकीयशकादधस्य तिथ्यादिकं २७।५।२६५ इष्टशकः १६।२६ १ शोधयितुं स्यंति-

आदिकं ॥ २७ ॥ ६। १२ वल्ली ५। ३०। १७ अमयोर्गोत्रे जातं वर्षादिति व्यादिकं ॥ २४। १। ३१। ५७ वल्ली १। ६। ५१ अधवा इष्टादिकः १५६ एतन्मध्ये  
 अयं पुनर्नकीयः आकः १५६० शुद्धः शेषः पुस्तकीयकादध्वस्य विद्यादिकं २४। १। ३१। ५७ वल्ली १। ६। ५२ शेषपंक्तौ शून्यकोष्ठकस्याभावाज्जातं वर्षा  
 दीति व्यादिकं पूर्वतुल्यमेव ॥ एवं इष्टका मध्ये पुस्तकीयशके शुद्धेय च्छेपं भवति तत्प्रमितकोष्ठकादधस्य विद्यादिकं स्यात्पक्षे वल्ली च स्याज्या ॥ ए  
 तन्मध्ये पुस्तकीयकादधस्य विद्यादिकं योज्यं वक्ष्यां वल्ली योज्या तद्यथा ॥ निधिस्याने निधियोज्या ॥ वारस्याने वारो योज्यः ॥ वदीयुधदीयो ज्ञा  
 ष्ठेऽपुपलानि ॥ नतः पलस्याने पष्ठिभक्ते सति फलं वदीयुज्यं घटीषु पष्ठिभक्तानु फलं वारो योज्यं ॥ वारोपुसप्ततष्टुशेषमभितोरव्यादिवारो ज्ञेयः ॥ अ  
 त्रलब्धत्यागः ॥ एवं वर्षादीवासो भवति ॥ अस्मिन् मकरं देसर्वं च वतमानो वारो ज्ञेयः ॥ निधिलिखितं शेषावषादी विधिर्भवति ॥ अस्मैव नामानं शु  
 द्धिः ॥ वल्ल्याऽऽर्थकः पट्यादिकः पट्यादिकः शेषावषादी वल्ली भवति ॥ तदनंतरं अस्मिन् वारो दीदं शानरं स्फुटितं कार्या तद्यथा ॥ रेखस्वदेशांतरस्यो जनघ्नि  
 गतिर्यहस्या भगजैर्विभक्ता ॥ लब्ध्या विलिप्ताः स्वचरे विधेयाः स्वर्णप्रेरया कूसमेष विभोममिति ॥ यानि देशांतरयोजना निरविमध्यगत्या शुणितानि  
 कार्या ॥ पश्चादशीत्या भक्तुलब्धपलानि ॥ वारादिपलस्य नेरद्वित्तसहितानि कार्याणि यदा ग्रहे ऋणानि तदा धनानि यदा धनानि तदा ऋणानि नि  
 यिगदत्र योगसंक्रान्तिमहानक्षत्रे पुनरापेक्षया विपरीतमित्युक्तत्वात् ॥ उदाहरणं ॥ काशं शानरं देशान्तरं योजन ६६ ऋणानि सूर्ययस्या ५६। ८  
 गुणितानि ३७८४ अश्ली ८० स्या भक्तानिलब्धपलानि ६७ ऋणानि देशान्तरस्य ऋणसंज्ञकत्वात् विधौ विपरीतमित्युक्तत्वात् जातानि धनानि ॥ रे  
 खापुत्रान् स्वपुरस्य भगपरदिगवस्यित्या ऋणधनतमवगंतव्यं ॥ यस्मिन् वर्षे शुद्धं एकविंशतिमारभ्य विंशत्यं तसमायाति ॥ तस्मिन् वर्षे धिमा

सोऽपि ॥ तदथा ॥ इष्टशकं १५५३ ॥ एतन्मध्ये पुस्तकीयशकं १५५४ शोधितशयं शोषादधस्यातिथिः २८ शकादधस्यातिथिः २७ योगः ५५ त्रि-  
 शानष्टशेयं २५ अस्मिन्वर्षे धिमासोऽप्येकः ॥ संक्रमणवशात् मासोऽप्येकः ॥ यस्मिन्मासे संक्रान्तिर्भवति स अधिमासः ॥ अथ उदाहरणक्रमोलिख्य-  
 ते ॥ इष्टशकः १५५३ एतन्मध्ये पुस्तकीयशकः शोधितशयं ॥ ७७ ॥ पुस्तकीयशकादधस्यांकः २७५१२६१४५ शोषादधस्यांकः १७११२१५२ अन्-  
 योर्गो जातं ॥ १५१६१४८१७ इदं देशांतरपल्लः ६७ सहितं जातं वर्षद्वितियादिकं १६१६१४८१२६ एवं चैत्रशुद्धचतुर्दशी शुक्लवारमारभ्य वर्षप्रसू-  
 तिः ॥ शकादधस्य वल्ली ५४१३६१३४ शोषादधस्य वल्ली ६६१२८११५ अनयोर्गो जानावर्षद्विवल्ली ४११६१४९ एवं रुद्राद्विनिर्द्देशादिकं वल्ली सहितं  
 पंचविंशतिधास्थान्यं ॥ अथानुक्रमेण तत्तत्स्थानि विमुच्यन्त्या योज्याः ॥ तदथा ॥ प्रथमस्यानेकान्यकोष्ठकाधस्य वारादिकं योज्यं ॥ १००० तदधस्या-  
 वल्ली १००० वल्ली पुनोज्या ॥ एवं द्वितीयस्यानेकान्यकोष्ठकाधस्य वारादिकं ॥ १०१६५१३६ योज्यं तदधस्यावल्ली ३२१८१२३ वल्ली योज्या ॥ एवमग्रेऽपि  
 वंशेन सति न तत्सादौ तत्तादृशादि भवति ॥ तया कृते जातं प्रथमपक्षस्य वारादिकं ६१४९१२६ वल्ली ६११८१२९ द्वितीय पक्षस्य वारादिकं ०।  
 ३५११० वल्ली १३१३६ तृतीयपक्षस्य वारादिकं ११३९१५६ वल्ली १५१२०१६ एवमग्रेऽपि चतुर्विंशतिपक्षाः भवन्ति ॥ अधिमासश्चेत्यष्ट विंशतिप-  
 क्षा भवन्ति ॥ इति नियमकत्वाद्भद्रएकस्थानमधिकं ॥ किमर्थमुक्तमिति चेदुच्यते ॥ इष्टवर्षादिमारभ्य द्वादशमासान्ते अधिमासश्चेत् त्रयोदश-  
 मासानि वर्षसमाप्तिर्भवति ॥ अस्माद्द्वितीयद्वितीये वर्षे भवन्ति सप्तविंशतिः एकादशदिनांतरे भवन्ति ॥ इति कारणेन एकपक्षस्य चा-  
 लनमात्राद्विंशतिमासार्थमधिकमुक्तं ॥ अनयरीत्या प्रतिवर्षे एकादशदिनवृद्ध्या तृतीये वर्षे अधिमासो  
 न भवति ॥ अथ तत्तत्पक्षस्य वारादौ न तत्तत्पक्षचालनानि रहितानि- ताविकार्याणि कुतः चालकस्य भ्रमणत्वात् ॥ तत्तत्पक्षादि-

स्यवल्लीपुवल्लीस्यचालननिघनानिकार्याणि चालनस्य धनत्वान् ॥ तदथा ॥ प्रतिपक्षपंचदशकोष्ठकाः कार्यः ॥ तत्र प्रथम कोष्ठकस्य ति-  
 धिवारेण एकोऽयः ॥ तदथा ॥ प्रथमकोष्ठकस्य तिधिवारौ तावेव तयोर्मध्ये एको युक्तः कार्यः द्वितीयकोष्ठस्य तिधिवारौ भवतः ॥ एवं  
 द्वितीयकोष्ठस्य तिधिवारमध्ये एको युक्तः तृतीयकोष्ठस्य तिधिवारौ भवतः ॥ एवमग्रेषु ॥ प्रथमकोष्ठस्य वारादिमध्ये अयं घटयादि च-  
 लनां को० ५७ ॥ ३६ घटीस्यानेरहितः कार्यः तदद्वितीयकोष्ठस्य घटयादिकं भवति ॥ प्रथमकोष्ठे यथा स्थितमेव ॥ एवमग्रेषु ॥ तथा प्रथम-  
 कोष्ठकस्य वल्लीयथा स्थितैव ॥ तन्मध्ये चालनां को० २८ ॥ ३३ ॥ ३२ योजिनः ॥ द्वितीयकोष्ठस्यावल्ली भवति ॥ एवमग्रेषु ॥ एवं कृते सति अ-  
 निमकोष्ठस्य वारादिकं तेनैव चालकेन रहितं सत् द्वितीयपक्षस्य वारादिकं तुल्यं भवति ॥ तदा दशद्वयं क्रमः ॥ अन्यथा अशुद्धः ॥ एवं वल्ली  
 ॥ उदाहरणं ॥ प्रथमपक्षस्य वारादिकं १६ ॥ ६१ ॥ २४ तिथौ वारे च एको युक्तः १५ ॥ १० घटी १६ ॥ २४ एतन्मध्ये चालनां को० ५७  
 ॥ ३० रहितः जानं द्वितीयकोष्ठस्य वारादिकं १५ ॥ १० ॥ ४८ ॥ २६ ॥ ५४ एवं प्रथमपक्षस्य वल्ली ११ ॥ ४१ मध्ये चालनां को० २८ ॥ ३३ ॥ ३२ युक्तः जानाद्विती-  
 या वल्ली ३१ ॥ ३३ ॥ ३२ एवमग्रेषु ॥ तथा कृते जानं ॥ एवं कृते द्वितीयपक्षस्य तिथ्यादि तुल्यं ॥ पौडशकोष्ठकस्य तिथ्यादिकं जानं ॥ अय-  
 मालां पञ्चकोमजयति न तुल्यं तिथिसौरास्य कोष्ठको ग्राह्यः वल्लीस्योर्ध्वकादधस्याया घटिका भवति ॥ तन्मूलं तदा सन्नियुक्तस्य  
 घटिकायां न तलोष्ठकादधस्य घटिकाभिः सहानं कार्यम् ॥ तद्धरणं संज्ञकं भवति ॥ यदा अथस्य घटी मध्ये शुद्धं तदा धनं संज्ञकं अं-  
 रं भवति ॥ अन्यथा नृणः संज्ञकं भवति ॥ यदा चतुः पंचाशतिर्युक्तं पंक्तौ घटिकादिकं फलं गृहीतं ॥ तदा तदधो घटिकाया-  
 आभावात् ॥ केन सद् अंतरं कार्यमित्याह ॥ तिर्यक् पंक्तौ दून्ध घटिकायां वल्लीस्योर्ध्वकादधस्य कोष्ठकादधस्य घटिकाभिः

| ३६ | १५ | १  | २   | ३   | ४   | ५   | ६   | ७   | ८   | ९   | १०  | ११  | १२  | १३  | १४  |
|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| ४९ | ०  | ४८ | १   | १७  | ३४  | ५१  | ६८  | ८५  | १०२ | ११९ | १३६ | १५३ | १७० | १८७ | २०४ |
| २४ | २४ | ४८ | ७२  | १०८ | १४४ | १८० | २१६ | २५२ | २८८ | ३२४ | ३६० | ३९६ | ४३२ | ४६८ | ५०४ |
| ४१ | ४३ | ८५ | १२७ | १७१ | २१५ | २५९ | ३०३ | ३४७ | ३९१ | ४३५ | ४७९ | ५२३ | ५६७ | ६११ | ६५५ |
| ४९ | १२ | ५६ | १०८ | १६० | २१२ | २६४ | ३१६ | ३६८ | ४२० | ४७२ | ५२४ | ५७६ | ६२८ | ६८० | ७३२ |
| ०  | ३२ | ६४ | ९६  | १२८ | १६० | १९२ | २२४ | २५६ | २८८ | ३२० | ३५२ | ३८४ | ४१६ | ४४८ | ४८० |

सहस्रानंकार्यमिति ॥ अत्रोदाहरणं ॥ वल्ली ५३।५६।१० विपंचादत्रादस्यनिर्यक्पंक्तौचतुः पंचाशत् घटिकायाः यदथा-  
दिकं ॥ ८।५२। चतुः पंचाशत् कोष्ठकादस्यनिर्यक्पंक्तौचतुः पंचाशत् घटिकायादथ्यादिकं १।५ अनयोरंतरं १३ एवं बुद्धि-  
मताज्ञेयं ॥ तदन्तरं तिर्यक्पंक्तौया घटिकागृहीता तावन्तीस्य घटिकामध्ये शोध्यः शेषाया घटिकाः पलानि भवन्ति नान-  
रेण गुणानि पञ्चात् षट्सिर्भक्तौलब्धानि एतानि पूर्वस्थापित घटिमव्येहरितानि संहितानि कार्याणि नद्यथा ॥ यदाधनं-  
तं नदासंहितानि न्दुण नदासंहितानि कार्याणि ॥ एवं कृते या घटिकाः पलानि च भवन्ति ताः कोष्ठकस्य घटीमध्ये र्यज्याः स्य-  
या घटिका भवन्ति ॥ निधिरववारमुल्लेख्य अग्रिमवारं गच्छन्ति तदा पूर्वस्मिन् चारं षट् घटिकासिंकातिथिः स्याज्वा ॥ यदेकवारं  
तिथिद्वयं भवेत् तदावमादिनं ॥ तदापूर्वैनापराकार्यासास्पष्टा भवेन् ॥ अनवारीत्या नस्तत्र योगसाधनं ॥ अथ उदा

|     | १४  | १५ | १  | २   | ३   | ४   | ५  | ६   | ७  | ८  | ९   | १०  | ११ | १२  | १३ |
|-----|-----|----|----|-----|-----|-----|----|-----|----|----|-----|-----|----|-----|----|
| वा० | मु० | श० | र० | वं० | मं० | कु० | ख० | मु० | श० | र० | मं० | बु० | ख० | मु० | श० |
| घ०  | ५२  | ४६ | ४७ | ४६  | ४७  | ४९  | ५२ | ५६  | ६० | ६  | ११  | १६  | २० | २३  | २४ |
| प०  | २४  | २५ | ३३ | ५२  | ३०  | ३१  | ३५ | २४  | ०  | ३३ | ५४  | ३१  | ३२ | १   | ३४ |

दूरेण ॥ प्रथमपक्षस्य प्रथमकोष्ठस्यावल्ली ४१।४१ अत्र नल्या मूर्ध्वर्तिके एक चत्वारिंशद्वर्तने इति कारणात् निधिस्मोर  
भस्विक चत्वारिंशत्कोष्ठकादधस्य वल्यं घटिका चतुष्टयवर्तने इति कारणात् तिर्यक्पंक्तौ शून्यघटिकाया घटिकाः ३।५ अयं  
आधस्य घटिकामध्ये २।५८ ननु ध्वनिउतः अपूर्वघटिकामध्ये शोधितः ७ पलाद्यधुनतंज्ञः ॥ अवांतरे क्रियमाणे घटिस्थाने  
शून्यमेवावशिष्यते वल्लीस्य घटिका शून्येन गुणिताः शून्यमिव जातं यद् भस्वे शून्यमिति कारणात् ॥ घटीस्थाने शून्यत्यागाः  
क्रियते फलपलात्मक मंतरं गृह्यते वल्लीस्य घटिकादिकं ४।४९ इदं तिर्यक्पंक्तिस्थ शून्यघटी भीरहितं जातं ४।४९ इदं  
मंतरं गुणितं ३३।४३ यद् भक्तं लब्धानि पलानि ५ एतानि पूर्वघटीमध्ये ३।५ रक्षितानि जातानि घटीपलानि ॥ ३।० एता  
नि पूर्वस्यापि प्रथमपक्षस्य प्रथमकोष्ठघटी पलमध्ये ४९।२४ । युतानि जातानि चैत्रशुद्ध १४ भृगो घटी पलानि ५२।२४  
एवमग्रेपि बोध्यं तथा कृते जातः प्रथमः पक्षः एतदुदाहरणौ परिगणकेन गणिने क्रियमाणे यत्र कुत्रापि अंकमध्ये अंतरं पत

निनिर्हयमनदोषः अस्माभिः शुद्धपुस्तकोपरिकृतमस्ति ॥ अथनक्षत्रसाधनं ॥ इष्टशकमध्यं १५ । ५१ पुस्तकीयशकेशोधिते ५५६४  
 शोधितेशोप ७ शकादधस्यांकः २६ । ५ । १ । ३८ शोयादधस्यांकः १६ । २ । ६ । २३ अनयोयोगे जातं ४० । ७ । १६ । १ दे-  
 शान्तरपल्लेः १७ सहितं ४० । ७ । १६ । १८ उर्ध्वाकेसप्तविंशतिभिस्ताटे जातं १३ तदयः सप्तनष्टजातं ० । एवंजातं १३ । ० । १६  
 । १८ वर्षदीनित्यादिकं ॥ यस्मिन्दिनेतिथ्यारंभो भवति तस्मिन्नेव दिने नक्षत्रयोगारंभ इति व्याप्तिर्नास्तीति ॥ तद्विनात्पूर्वा  
 परदिनेवा भवति ॥ चैत्रशुद्ध १५ शनैर्हस्तनक्षत्रप्रथमः ॥ शकादधस्यावल्ली ५३ । ५५ । २१ शोयादधस्यावल्ली ४८ । ५ । १९  
 योगः ४२ । ० । ३० जातानक्षत्रवल्ली इदं नक्षत्रादिकं वल्ली सहितं च पुद्गलस्थाने स्याप्य ॥ अधिमासश्चेत्यचदशस्थाने स्याप्य ॥ अ-  
 नुक्रमेण तत्तत्तदस्य नक्षत्रपुद्गलयोग्याः ॥ तद्यथा ॥ प्रथमस्थाने शून्यकोष्ठकादधस्थं योज्यं ॥ द्वितीये प्रथमं ॥ एवमग्रेऽपि ॥ तद-  
 धस्य वल्लीपुयोग्या ॥ एवंरुते जातं प्रथमपक्षस्य वारादिकं ॥ ० । १६ । १८ द्वितीयपक्षस्य ६ । ३६ । ५८ प्रथमवल्ली ६२ । ० । ३०  
 द्वितीय वल्ली ६१ । ३१ । ५७ । एवमग्रेऽपि ॥ अथ तत्तत्तत्सादिपुवारादौ तत्तत्तदचालनानि साहितानि कार्याणि ॥ वल्लीपुचालनानि  
 धनानि कार्याणि प्रतिपक्षसंमविद्वानि कोष्ठकाः ॥ तत्र प्रथमकोष्ठे प्रथमकोष्ठस्य नक्षत्रादिकं स्याप्य ॥ तदधस्यातन्त्यक्षवल्ली-  
 स्याप्या ॥ तदुत्तरं प्रथमकोष्ठस्य नक्षत्रादिकं यथास्थितमेव ॥ तन्मध्ये एकोयुक्तः कार्यः द्वितीयकोष्ठस्य नक्षत्रवारीभवतः ॥  
 एवमग्रेऽपि ॥ तथा प्रथमकोष्ठस्य घटिका यथास्थिता एव ॥ तन्मध्ये अयं घट्यादित्र्यालनांको ० । ४६ । १८ युक्तः सन्  
 द्वितीयकोष्ठस्य घट्यादिकं भवति ॥ तथा प्रथमकोष्ठस्या वल्ली यथास्थितैव ॥ तन्मध्ये यं घट्यादित्र्यालनांको २ । १३ । १६ यो-

यतिः ॥ वारस्थाने सातभिस्तारं कार्यं ॥ तदनन्तरं स्वस्वचालकाः शेषतिथ्यादि नारगण्याः ॥ चालकश्चेद्धन्तादाघटिस्थाने पुक्ताः कार्याः ॥  
 ऋणेरहितः यद्वा ननु द्युत्यतिनदावारादिका आद्याः ॥ एवमेव वल्ली ॥ एवं तिथिनक्षत्रयोगानां वारादिकं भवति ॥ वल्लीस्तहितं ॥ अस्मान्  
 नृमाषतस्त्रयसौ रजो परिघटिकाः माध्याः अतोष्टतिथ्यादिः स्यादाघटिका भवति ॥ उदाहरणं ॥ शके १५५१ वैशाख कृष्ण १० घटया  
 द्यानयमतत्र चेन्न शुद्ध १ प्रतिपदमारभ्य दुर्दशमोपर्यन्तमिष्टनियमः ॥ २५ वर्षादिनिध्या १५ द्वीना ११ पंचदशतिथिः ॥ फलं ३१  
 तिथिगुणं न्यग्रथ्यकोष्ठकादधः स्व्यवारादिकं ॥ ०१० वल्ली च ०१० इदं वर्षादिकं चार्गादिभिः ६१५१२४ युनवारस्थाने शेषति-  
 थि ११ त्रिपुष्पं साततं जानां वारादिकं ३१५१ २८ वल्ली योजिता ११५११५१ चालकः ०५७३६ शेषतिथिभिर्गुणितः १०१६३ इदं य-  
 दीस्थाने रहितं जानं ३१३८१५१ वल्ली स्थाने चालकः २१८१२३ ३२ शेषतिथिभिर्गुणितः २३३३५ अनेन वल्ली पुक्ता जाता वल्ली ५१३८  
 १५२ आम्नाप्राग्वज्जाता वैशाख कृष्ण १० दुये घटिका १६ पलानि ३११५१ पुनस्ता एव तिथयः स्वहाविंशत्यशेन पुक्ता ११ जातो नक्षत्रयोगेन यनं ॥  
 शेषनियमः ११ न्यग्रथं त्रिंशदंशोन रहिता जानाः ११ पुनस्ता एव तिथयः स्वहाविंशत्यशेन पुक्ता ११ जातो नक्षत्रयोगे ॥ अयोरुत्थसमवि-  
 शतिवारं फलं इत्युक्तं एकः नक्षत्रगुणं स्वग्रथ्यकोष्ठकादधः स्व्यवारादि ०१० योगगुणं शून्यकोष्ठस्य वारादि ०१० वल्ली ०१० नक्षत्रा-  
 दिकं वारादिकं वारस्थानं शेषनक्षत्रं पुनं ॥ ११०१० इदं वर्षादिस्थकोष्ठस्य वारादिकं १०११० वल्ली ०१० नक्षत्रा-  
 यदीपुवल्ली पुक्ता १२०१० २० जालवल्ली १२०१० ३० एवमेव ज्ञातयोगवारादिकं १०११० वल्ली ११५१६१ दनक्षत्रचालकः १५१६३ इदं योपनक्षत्रं गुणि-  
 तः ०११३ इदं घटीस्थानं युनजाननक्षत्रं वारादिकं १०११० वल्ली चालकः १०१२१६३ शेषनक्षत्रं गुणितः २११६५ १२३ अनेन वल्ली युता जाता-  
 वल्ली ६१६५ ३० पूर्वा निनक्षत्रं घटीस्थानं नक्षत्रं ३१ पुनजानं २५ शतवारकानक्षत्रं ॥ एवमावज्जातं ॥ वैशाख कृष्ण कादश्या गुरो शन-  
 तारका नक्षत्रस्य घटिकाः ३ पलानि ११ अथ योगवारादिस्य चालकः ॥ ३१२५ १६३ शेषं गुणितः ३०१६३ ३६ इदं घटीस्थाने रहितं जान-

युक्तः घटीपलमध्ये १९। १७ घट्यादिश्चालनांको ३। २५। १६६ रहितः जानद्वितीयकोष्ठकस्य चोगादिकं १६। १। १११। २१। ११५  
 ॥ व प्रथमपक्षस्य वल्लीमध्ये चालनांको ३। ३। १३। १८ योजितः जाताद्वितीयकोष्ठस्यावल्ली १६। २। ११। ८ एवमग्रेपि ॥  
 प्रथमकोष्ठस्यावल्ली ११। ५६। ६ योगसौरभस्यैक चत्वारिंशत्कोष्ठकादधस्थ चतुः पञ्चाशन्घटिकायाधट्यांकः १। १२२ अद्य-  
 स्वांकः १। ३। ७ अंतरक्रुणेन अनेन वल्लीस्य घटीपलानि ५। ६ गुणितानि घटभक्ते लब्धपलानि १। ५५ एतानि पूर्वघटिकामध्ये १।  
 १२। रहितानि १। ३८ जानानि घटी पलानि एतानि पूर्वस्थापितघटीपलमध्ये युतानि जातानि चैत्रशुद्ध १५ शनो व्याघात योगघ-  
 टी १९ पलानि २५ एवमग्रेपित आकृते जानः प्रथमपक्षः ॥ अथेष्टनित्यादि साधनं ॥ वर्यमध्ये यास्मिन्मासे याति यिरपेदये तत्ति-  
 थिपर्यन्तं च त्रादि प्रतिपदमारप्यतिथयः स्याप्याः ॥ ताः वर्षादि नित्याहीनाः कार्याः शेषाः सौरवर्षादेरिष्टादिनपर्यन्तं तिथयो भव-  
 न्ति ॥ अस्मीष्टनक्षत्रयोगसाधने तास्तिथयो द्विष्टाः एकत्रयट्विंशदंशे नहीनाः ॥ अपरवट्वाविंशदंशे न युताः कार्याः ॥ निरवयवेनो भव-  
 त्रापि वर्षादितो नक्षत्रयोगा भवन्ति ॥ तिथयः पंचदशभक्ताः कार्याः ॥ नक्षत्रयोगी सप्तविंशतिभक्ताः फलानि कथं ब्राह्मणेति धिनक्षत्रयोग  
 कोष्ठाः स्युः एतत्कोष्ठकादधस्य स्वसुगच्छस्य वारादिकं स्थाप्यं ॥ वल्ली च स्याप्या ॥ वारादिकं मध्यवर्षादित्ये देशांतरसंस्कृतं वारादिकं योज्यं वल्ली  
 पुर्ववल्ली योज्या ॥ तदनंतरं वारस्थाने पंचदश भागावशेषास्तिथियोगयुक्ताः कार्याः वारस्थाने सप्तविंशतपक्षं नक्षत्रयोगी वर्षादि स्थनक्षत्र  
 योगाभ्यां ताद्वितीया ॥ सप्तविंशत्यादिकं सप्तविंशति तट्कार्यं अस्मीष्ट नक्षत्रयोगी भवतः ॥ अस्मीष्टतिथिस्तु जायते एवेति नक्षत्रमयेन  
 अत्रो विधेयः ॥ वारादिकमध्ये स्वस्ववर्षादित्ये देशान्तरसंस्कृतं वारादिकं योज्यं वल्ली पुर्ववल्ली योज्या ॥ वारस्थाने शेषानक्षत्रयोगा युताः का-

॥ अब्रोदाहरणं ॥ शके १५३३ वैशाखशुद्ध १५ प्रहसाधनं क्रियते ॥ इष्टशकः १५३४ मध्ये पुस्तकीयशके १५१४ शोधितेशेपं २० शेषादधस्यां १०  
 ॥ १२ ॥ १२ वातः २ शकादधस्यां ७ ॥ ५६ ॥ ८ ॥ ५२ वार ५ अनयोर्योग ७ ॥ ५८ ॥ १० ॥ ५ वारयोर्योग ७ सप्ततः शनिवारे जाता वल्ली ७ ॥ ५८ ॥ १०  
 ॥ ५६ एतन्मध्ये वैशाखशुद्ध योगासीत्स्थपक्षवल्ली ॥ ० ॥ ० ॥ १४ ॥ ४ सुताजातवैशाखशुद्ध १५ अधिरात्रसमये ग्रहवल्ली ७ ॥ ५८ ॥ ११ ॥ ४१ वारेषु ०  
 वारे २ युक्तः २ जातः सौमवारः ॥ इयं ग्रहवल्ली रव्यादिसर्वग्रहसाधने उपज्जा ॥ अत्रेदमवधेयं ॥ प्रथमतश्च त्रादिनिबटग्रहद्विगुणवल्ली ताव-  
 द्दश्याणरीत्याद्वर्षः साध्यः स यदि अपेक्षितार्कसप्ततदाशुद्धा अन्यथा अशुद्धा ॥ यदि चार्कः एकराशिन्वाधिकः तदा वल्ली तावदेकस्वराभा-  
 योज्याः शोच्याः परिष्कृता हूय देयेयवा ॥ उदाहरणं ॥ इष्टशकः १५५८ उक्तव जाता वल्ली ८ ॥ ३६ ॥ ३७ गारव्य ५ वल्लीस्य सूर्यः १० ॥ १६  
 ॥ १५ ॥ २२ ॥ अपेक्षितमीनाकोटू न इति वल्ली चतुर्थी के स्वगमारयो जित जाता वल्ली ८ ॥ ३७ ॥ ७ द्वययोर्जनाद्गारव्य एतद्वल्लीस्य सूर्यः ११ ॥ १५ ॥ २६  
 ॥ २७ उपेक्षितार्कसप्ततः १५५८ आस्मिन् च त्रादितः प्रागभायां वल्ली शनौ जाता शुद्धा एव अधिकत्वे द्रष्टव्यं ॥ अत एवोक्तं दिवा करेण ॥ अपे-  
 क्षितार्क इति ॥ अयं ग्रहसाधनं ॥ स्वस्ववाटिकायां वस्त्यां व्यत्युत्थिकः तत्प्रमितकोष्ठकस्याम्बत्वारोकाः स्याम्याः ॥ तदनंतरं वल्ली तृतीयाक  
 तुल्यकोष्ठकस्य मयार्कविद्वाव नत्वारोकाः स्याम्याः ॥ ततो वल्ली द्वितीयां कृत्युल्यकोष्ठस्योर्द्धां कट्टयं विद्वाव नत्वारोकाः स्याम्याः ॥ ततो व  
 ल्ली प्रथमां कृत्युल्यकोष्ठस्योर्द्धां कट्टयं विद्वाव नत्वारोकाः स्याम्याः ॥ ऊर्ध्वार्काः स्याम्याः ॥ ततस्ते पायोगः कार्यः ॥ ऊर्ध्वार्कपट्टयधिकः पट्टि-  
 टः कार्यः साग्रहवल्ली घट्यादि भवति ॥ रविचन्द्रादिवल्ली मिनालेख्याः ॥ अग्रे उपयुक्तत्वात् ॥ तदनंतरं ग्रहवल्ली पट्ट गुण्या अंशादिकं स्यात् ॥  
 अंशाद्विद्वद्भकारादायो भवति ॥ एवमधरात्रसमये राश्यादि प्रहा भवति ॥ चंद्रोच्चदुधपट्टगुणवलीनां विशेषः ॥ उक्तचंद्रोच्चवल्ली कार्या ॥ तस्या उ-  
 र्ध्वार्के पंचत्वारिंशदुक्ता कार्या तदनंतरं चंद्रवल्ली मध्ये शोध्या तदनंतरं पट्टगुणिता कार्या चंद्रोच्चं भवति ॥ यदा वल्ली मध्ये वल्ली नष्टा इत्यतितर्ध्या

यष्टियुताकार्या ॥ बुधशुक्रोच्चवल्ली मध्येशोऽध्यातदनंतरं यदुगुणिताकार्या बुधशुक्रयोः शीघ्रोच्चं भवति ॥ एवं ग्रहसाधनांतरे रवास्वदृशां-  
तरयोजनरीत्यादिना देशांतरसंस्कारः कार्यः ॥ अग्नित्रेचरात्मावाच्चरसंस्कारो न भवति ॥ उदाहरणं ॥ शके १५३६ वैशाख शुद्ध १५ व-  
ल्ली ७१५८११ १६० रविवाटिकायांचत्वारिंशत्कोष्ठकादधस्यांकः ६१३६११६७ एकादशकोष्ठकादधस्यांकाद्यं कविहारीचत्वारो यैकः  
५८१२५५८१३९ अपरपञ्चाशत्कोष्ठकादधस्यांक ३८७८१२०१३५ सप्तमकोष्ठकादधस्यांकः १५२१८११६७ चतुर्ण्ययोगे जानारविवल्ली १२  
॥ ५१६९१६१ ५६ ऊर्ध्वाकेषु पठितशेषं ५१६९१६१ ५६ इदं यदुगुणं जानात्रशाः ३६१५८१११ १२४ अंशास्त्रिंशद्भन्क्ताः लब्धराशयः एवं  
राश्याद्योरविः १११५८१११ चंद्रवल्ली ३५१२१२३१२२ चंद्रः ७१०१२३१२२ चंद्रोच्चवल्ली ५७१६१३७ ऊर्ध्वकिंशस्वेद ६५ युक्ता जानाश्व  
१५१६१३७ इदं चंद्रवल्ली मध्ये ३५१२१२३१२२ रहितं जातं ५२१२११५१२६ उच्चः २०१२६३३ श्रीमवल्ली १०५३१३६१२८ श्रीम ११२९१२१ ३८  
बुधोच्चवल्ली ५१३६१३३१५६ रविवल्ली ५१६९१६१ ५६ मध्येशुद्धा जातं बुधशीघ्रोच्चं ३२५१३०१६८ गुरुवल्ली २१६३ ३३१५८ गुरुः ५१  
२०१२११२२ शुक्रोच्चवल्ली ६३१११३०१२८ रविवल्ली मध्ये शोधिता जातं शुक्रशीघ्रोच्चं ६१५११११२ इति वल्ली ५६१७१६१२ शनिः २०१२५१६६  
१६ केन वल्ली २७१२०१६१६१ केनः ७१५१२८ अयं राशीपदं कुको जातोरारुहः ११५१६१२८ अववाके तु वल्ल्या मूर्ध्या किं प्रिंश ३० युक्ता  
गदवल्ली भवति काश्यां देशांतरं योजनानि ६४ ऋणानि रैरवास्वदेशांतरं योजनं प्रोगतिर्ग्रहस्य ऋणजैर्विभक्ताः ॥ लब्ध्या विलिप्ताः रवच-  
रो विधेयाः आच्या मृणपञ्चिमतो धनं च इत्यादिना देशांतरकलाः ६७ ऋणदेशांतरसंस्कारो रविः ११६१५७१२६ चंद्रः ७१०१२१६० उच्चं १०  
११६१६१३८ श्रीमः ११२९१२११३ बुधोच्चं २१२५१२७१३ गुरुः ६१२०१२१६१८ शुक्रोच्चं ६१६१५८१५३ शनिः २०१२५१६६ ५ राहुः  
११६१६१३० इष्टशक मध्ये २५३६ नवसर्गदुरामाः ३१७९ योजिता जातं कलिगतं ६७१३ कलिगतम्य सप्तसांशो २००० आदि ५१६२

१६ दानिबीजघनं ॥ एतद्व्यंशो १।३५।६ प्रसहितं जातं तु योच्च धनं तस्य धनं ६।१७।१ दानिबीजव्यंशं रहितं जानं ३।८।३१ ऋणं गुरोः दानि-  
 निबीजं शुक्रोचक्रं १।६२।६ बीजसंस्कृतं तु योच्च ३।१।६४।३२ गुरुः ४।७।१३।३७ शुक्रोच्चं १।१०।२८।५१ ॥  
 अयकादिद्विहोपउच्यते ॥ यदाग्रहद्विगच्छी अङ्गु-चतुष्टयमध्ये मूलमायातिताग्रहसाधनकयं कार्यं ॥ यतोग्रहवाटिकायां शून्यकोष्ठकोना-  
 स्ति ॥ आदौ शून्यकोष्ठकमस्तीति चेत् तत्र शून्यस्थानेति परिर्वर्तते ॥ इति कारणान् मूलकोष्ठकस्याभावाच्छून्यस्थाने फलभावाः ॥ तत्र अ-  
 कत्रययोगे ग्रहवल्ली भवति ॥ वाटिकायां कवाटिकायां कग्रहणे शून्यस्थाने एकैकं अंकं विहाय शून्यमित्यनुवर्तते ॥ यदा शून्यस्थाने प-  
 ष्ठिः स्यात्प्यनेता शून्यकोष्ठकादधस्यांकोष्ठकाद्वा ॥ एवमंकचतुष्टययोगी ग्रहवल्ली भवति ॥ एवं प्रकारद्वयेन तुल्ये भवति वल्ली ॥ कस्मिन्नावल्ली  
 ७।५८।०।६० रविवाटिकायां चत्वारिंशत्कोष्ठकादधस्यांकः ६।३६।१६।२७ अस्य चत्वारिंशत्कोष्ठकादधस्यांकः ३६।५८।०।३६ सप्तमको-  
 ष्ठाकादधस्यांकः ३१।५२।८।१४ एपांयोगे जाता वल्ली १७।२४।६३।१५ अथवा ग्रहदिनवल्ली ७।५७।६० चत्वारिंशत्कोष्ठकादधस्यां-  
 कः ६।२४।१४।२७ शून्यकोष्ठकादधस्यांकः ५१।२१।६१ सप्तपञ्चात्कोष्ठकादधः स्यांकः ३१।५२।८।१४ एपांयोगे जाता वल्ली १७  
 २४।६३।१५ अथवा ग्रहदिनवल्ली ७।५०।६० चत्वारिंशत्कोष्ठादधस्यांकः ६।३६।१६।२७ शून्यकोष्ठकादधस्यांकः ५१।२१।१६१  
 १४ सप्तपञ्चात्कोष्ठकादधस्यांकः ७।३६।३८।६ सप्तमकोष्ठकादधस्यांकः ३१।५२।८।१४ एपांयोगे जाता वल्ली १७।२४।६३।१५  
 एवमंशग्रहेषु शून्यस्थानेषु शून्यकोष्ठस्य फलं चैव मूलान्ते तदा द्वयवल्ली संप्रच्यते ८।६६।२४।५९ तस्मादियमनुश्रु ॥ एतदुत्पन्नरवेर्विंशतादान् ॥  
 यदा वल्यामकत्रयशून्यं ॥ तदा अर्वाकिप्रभित्कोष्ठकस्य अधस्यांकमध्ये अंकत्रयं त्यक्त्वा चत्वारिंशत्कोष्ठाद्वा मेषग्रहवल्ली ॥ अथ रवीन्दोः  
 स्पष्टीकरणं ॥ मंदोच्चरविमध्यशोध्यं मंदकेन्द्रं भवति तस्य गुजांशदाः कार्यः ॥ भुजांशानुलंकोष्ठकादधस्य भागाद्या फलमाह ॥ तदग्नियग

कोष्टकस्य फलेन संज्ञांतरं कार्यं ॥ नेनांतरेण भुजांशाद्दधस्य कलाद्यं गुण्यं पृथग्भाक्तं फलं कलाद्यं ग्राह्यं एताः कलाः पूर्वस्यापि तफलमध्ये  
 युक्ताः कार्यः ॥ अग्रिमकोष्ठकस्याधिकत्वात् ॥ अंशाद्यं मदफलं भवति ॥ मेपादिषट्केन्द्रे क्रणं ॥ गुलादिषट्केन्द्रे क्रणं ॥ अनेन संस्क्रुतोरविः  
 स्पष्टो भवति ॥ अयगति साधनं ॥ फलादधः स्यं कलाद्यं गति फलं ग्राह्यं तदग्रिमांतरेण भुजांशाद्धस्य कलाद्यं गुण्यं पृथग्भाज्यं फलं  
 कलाद्यं ग्राह्यं एताः कलाः पूर्वस्यापि तगतिकला मध्ये सहितारहिताः कार्यः अग्रिमकोष्ठकवशात् ॥ इदं स्वकीयमध्यगतौ ककारिदिकेन्द्रे-  
 धनं ॥ मकराद्यैः क्रणं ॥ सास्पष्टगतिः ॥ अनयारीत्याचंद्रस्य स्पष्टीकरणं ॥ अथोदाहरणं ॥ रेवेर्दीक्षे २।१७।१७।० रविमध्ये  
 जातरविमंदकेंद्रे १०।१७।६०।२४ अस्य भुजांशाः ४२।१।२४ द्विचत्वारिंशत्कोष्ठकादधस्य फलं १।२८।३ अग्रिमकोष्ठकस्य फलं  
 ॥ १।२९।१६ अन्तरं १।१३ अनेन कलाद्यं १९।३६ युगितं ३३।३८ इदं पूर्वस्यापि तफलमध्ये १।  
 २८।३ सहितं जातरवे मंदफलं १।२८।३६ गुलादिकेंद्रत्वाद्धनं अनेन संस्क्रुतो जातः स्पष्टसूर्यः ॥ १।६।२६।० कलादधः स्यंगति फलं  
 १।३८। अग्रिमांतरेण निकलात्सेकेन कलाद्यं १।३६ गुगितं ३१।२४ षष्ठि मक्तं अग्रिमांकस्य न्यूनत्वात् गति फलमध्ये १।३८ रहितं  
 जातं गति फलं १।३७ मकरादिकेन्द्रत्वात् क्रणं अनेन मध्यमागतिः ५९।८ संस्क्रुता जाता स्पष्टगतिः ५७।३१ अथचंद्रस्पष्टीकरणं  
 ॥ चंद्रोच्चं चंद्रमध्ये शोधितं उच्चं १४।६।२८ चंद्रः ७।०।२।२० जातं चंद्रस्य मंदकेंद्रं ८।१५।६।२ उक्तवर्णमंद फलं धनं ४।५३।५३  
 अनेन संस्क्रुतो जातः स्पष्टचंद्रः ७।४।५६।३३ गति फलं १६।५७ धनं अनेन संस्क्रुता मध्यगतिः ७।९०।३५ जाता स्पष्टा चंद्रस्य ग-  
 तिः ८०।७।३२ ॥ अयमौ मादीनां स्पष्टीकरणं ॥ तत्र गुरुमौमशनीनां शीघ्रोच्चं मध्यमोरविः ॥ बुधशुक्रयोः पूर्वसाधिनमस्ति ॥ योगमध्ये  
 रविः सापवबुधशुक्रौ ॥ ग्रहमध्ये हीनं शीघ्रोच्चं कापि शीघ्रोच्चं भवति ॥ यद्भाधिकं द्वादशराशिस्यः शोध्यं यद्भान्यूनं यथास्थितमेव ॥

तस्यांशाः कार्वाः त्र्यंशप्रमितकोष्ठकादधस्यशीघ्रफलं भागाद्यस्याप्यं ॥ अग्रिमानरेणकलाद्यगुण्यपिष्टिभक्तं फलं कलाद्यं ग्राह्यं ॥  
तत्फलपूर्वस्यापितफलमधेरहितं साहितं कार्यं ॥ अग्रिमकोष्ठवशात् ॥ तदंशद्वयं शीघ्रफलं भवति ॥ मेधादीभ्रणं ॥ तुलादीभ्रणं ॥ अस्या  
ईदृशमध्यमः संस्कृतः कार्यः ॥ शीघ्रफलार्द्धं संस्कृतो भवति ॥ तदनंतरमेतन्मध्ये मन्दोच्चं शोधयं मंदकेन्द्रं भवति ॥ षडभाधिकं द्वादशराशि  
भ्यः शोधयंतस्यांशः कार्वाः तद्वर्षितकोष्ठकादधस्यं मंशदं मंदफलं ग्राह्यं ॥ अग्रिमांतरेण कलाद्यगुण्यं ॥ यष्टिभक्तं कलाद्यं ॥ तत्पूर्वस्या  
पितफलमधेरहितं साहितं कार्यमग्रिमकोष्ठवशात् ॥ तन्मंदफलं भवति इदं यागागन्धवर्णसंपूर्णमध्यग्रहे देयं समंदः स्पष्टो भवति ॥ इ-  
दं मंदफलपूर्वशीघ्रफलमध्यधनं चेच्छूनं ॥ करणवेष्टणुदेयं ॥ द्वितीयशीघ्रफलसाधने शीघ्रकेंद्रं भवति ॥ अथवा शीघ्रोच्चं मंदस्पष्ट  
मध्ये शोधयं शीघ्रकेंद्रं भवति ॥ अस्मान् पूर्ववत् शीघ्रफलं कार्यं ॥ तन्मंदस्पष्टग्रहे देयं स्पष्टग्रहो भवति ॥ अथ गतिसाधनं ॥ मंदफलसाध-  
ने यन्मंदोक्तं तरेन स्वीया गतिगुणयेत् ॥ फलं कलाद्यंतत्त्वगतौ यकारादिमन्दकेन्द्रेऽन्नं कलादीधनं कार्यं ॥ सागंदस्पष्टगतिं भवेत् ॥ अनेनो-  
त्तरी शीघ्रोच्चगतिः ॥ शीघ्रगतिर्भवति अनिमशीघ्रफलसाधनाच्छीघ्रांकां तरेणां शीघ्रगतिगुण्या षष्ठ्या साज्या फलं अग्रिमकोष्ठ  
कवशां मंदस्पष्टगतौ धनार्थं सास्पष्टगतिं भवेत् ॥ विपरीतशोधनेन वक्रगतिः ॥ ॥ उदाहरणं ॥ सौमगध्ये ९।२९।२१।१३ एतस्य  
शीघ्रोच्चरविः १।१५।५७।२४ शोधितः जातं शीघ्रकेंद्रं ॥ ८।२६।२३।१९ षडभाधिकं अतश्चक्रात् शोधितं ३।५।३६।११ अस्यां  
शाः ९।५।३६।११ शीघ्रफलधनं ३५।२३।३८ अस्यार्थेन १।७।११।१९ संस्कृतो सौमः ॥ १०।१६।३२।२२ एतन्मध्ये ये मंदोच्चं ४।१०  
शोधितं जातं मंदकेन्द्रं ६।६।३२।३३ मंदफलधनं १।२९।३६ मध्यमसौमैर्दुज्जानो मंदस्पष्टो सौमः ॥ १५।०।५०।४९ तन्मंदफलं  
प्रथमं शीघ्रकेंद्रं स्पष्टधनं दुज्जानं द्वितीयशीघ्रकेंद्रं ८।२५।२५।२५ अस्मान् प्रावत् शीघ्रफलधनं ३३।५८।४६ शीघ्रफलं संस्कृतो मंदग-

लस्पष्टो जातः स्पष्टो भौमः ॥ १११११११११ ॥ ३६ मंदांकांतरेण ११ गतिगुणिता १६००१४ षष्टि मत्काफलं कर्कादिकेन्द्रत्वानुधनं ॥ ७१२०  
अनेन संस्कृता मध्यगतिः ॥ ३११२६ जाता मंदस्पष्टा गतिः ३६१६६ अनेनोनाशी प्रोच्चगतिः ५९१८ जाता शीघ्रकेन्द्रगतिः २०१२ इयं शी  
घ्रांक्त्तरेण ६ गुणिता ३२५१५२ षष्टि मत्काफलं ५१२५ अनेन संस्कृता मंदस्पष्टा गतिजाता स्पष्टा गतिः ॥ ४४१११ इति भौमस्पष्टीकरणं  
॥ अयं बुधस्पष्टीकरणं ॥ शीघ्रकेन्द्रे १०१३१२१५२ शीघ्रफलाधि ७१०१६ संस्कृतो बुधः ११२१७१३० मंदोच्च ७१०१३० रहितं मंदकेन्द्रं ६२१७१३०  
दुफलधनं ०१०१३६ मध्यग्रहे दत्तं मंदस्पष्टं ॥ ११५१८० नन्मंदफलं प्रथम शीघ्रकेन्द्रं दत्तं जातं द्वितीय शीघ्रकेन्द्रं १०१३१२३६ अस्मात्सुनाः  
शीघ्रफलधनं १६१७१५५ यदस्पष्टा दत्ता तस्यष्टो बुधः १६११२५१५५ मंदांकांतरेण गतिगुणिताः २९१५१४० षष्टि मत्काफलं ४१५५ मक  
गदिकेन्द्रत्वाद्यं मंदस्पष्टा गतिः ५९११३ अनेनोनाशी प्रोच्च गतिजाता शीघ्रकेन्द्रगतिः १९११३ इयं शीघ्रांकांतरेण १३ गुणिता ७११८१२३  
षष्टि मत्काः फलं २८१५८ अनेन संस्कृता जाता स्पष्टा गतिः १०३११३ इति बुधस्पष्टीकरणं ॥ अथ गुरुस्पष्टीकरणं ॥ गुरुमध्ये ४१७११२  
१३७ सूर्यः ११६१५७१२४ शोधितः शीघ्रकेन्द्रः ३१२१२५१३ फलाधि ६११३१२२ संस्कृतो गुरुः ११११३१२५ मंदोच्च ५१२० हीनमं  
दकेन्द्रं १०११३११५ मंदफलधनं ३१६३३६ मंदस्पष्टी गुरुः ४११०१५६३ मंदफलं प्रथम शीघ्रकेन्द्रे दत्तं जातं द्वितीय शीघ्रकेन्द्रं ३१५५८  
३१ नन् शीघ्रफलं १११२८ स्पष्टो गुरुः मंदांकांतरे ३ गतिः ५ निम्ना १५ षष्टि मत्काफलं ७१५ फलं मकरादित्वाद्यं ४१४५ जाता मंदस्पष्टा  
गतिः ॥ अनयोनाशी प्रोच्च गतिः ५८ जाता शीघ्रकेन्द्र गतिः ५४२३ इयं शीघ्रांकांतरेण गुणिता ५४२३ षष्टि मत्काफलं मंदस्पष्टगती धनं जाता  
स्पष्टा गतिः ५१३९ इति गुरुस्पष्टीकरणं ॥ अयं शुक्रस्पष्टीकरणं ॥ शुक्र शीघ्रकेन्द्रं २४२४१७१३० फलाधि १८१५०७ संस्कृतः शुक्रः १  
१२३१६७१३१ मंदोच्च २१० मंदकेन्द्रं १११३१७१३१ मंदफलधनं ०१६१२५ मंदः स्पष्टः शुक्रः ११५१६६१६९ शीघ्रकेन्द्रं २४२४१६३ शीघ्रफलं

[illegible]

५८१७ एकेनान्तरि ०११४३ कली ४८८८ गत्यांतापेक्षया रुषाधिकत्वात् ॥ अनेन हीनारविमध्यगतिः ५७१२५ अथ चंद्रस्पष्टीकरणं ॥  
 ॥ ऊर्ध्वकिंपच चत्वारिंशद्वुताजाता चंद्रोच्चवक्षीतस्य लता इति संज्ञा काया तिलुतो परिचंद्रसौरभो परिचंद्रसौरभस्य सानुपात घटिका  
 द्विफलं ग्राह्यं ॥ तच्चंद्रकंदे पुंयोज्यं ॥ तदनंतरं पट्टगुणितं कार्यं ॥ स्पष्टचन्द्रो भवति ॥ सर्वत्रानुपाते पट्टिभाजकः ॥ उदाहरणं ॥ लता  
 ४११६१३७ देशान्तरं ०१५० संस्कृतलता ४२१४१५१४७ चन्द्रसौरभस्यं द्विचत्वारिंशत्लोकदशस्य सानुपात घटिका द्विफलं ०१४८१५  
 १२८ चंद्रकंदः ३५१२१२१७ देशान्तरं १४१२० संस्कृतं ३११०१२६१४७ फलेन युक्तः ३५१२३११५ घट्टगुणितः स्पष्टचंद्रः ७१५५६११९  
 अथ गतिः ॥ द्विचत्वारिंशत्लोकदशस्य सानुपात घटिका द्विचंद्रगतेः फलं २११४१३५ पट्टगुणजानाः अशाः १३१२७१ ३० यथा गुणि-  
 तास्पष्टचंद्रगतिः कलाद्या ८०७३० ॥ अथ भीमस्पष्टीकरणं ॥ भीमकंदमध्ये रविकंदः शोधयः ॥ यच्छेषं तस्य लता संज्ञा काया ॥ ल-  
 ताया घटीग्रामिनोष्कादधः स्य भीमसौरभस्य सानुपात घटिका फलं ग्राह्यं ॥ तत्फलं भीमकंदे पुंयोज्यं ॥ तदुपकंदं संज्ञकं भवति ॥ उप-  
 कंदोपरि उपकंदस्य सानुपात घटिका द्विफलं ग्राह्यं ॥ तत्फलं भीमकंदमध्ये योज्यं सुकंदो भवति ॥ लतामध्ये योज्यं सुलता भवति ॥ सुलता  
 परि सुलता फलं सानुपात घटिका द्विफलं ग्राह्यं ॥ तत्फलं सुकंदे पुंयोज्यं तदनंतरं घटीस्थाने दृशा भीरहितं कार्यं ॥ तन्मकरदुसंज्ञकं भवति ॥ नदं न-  
 रं पट्टगुणितं भवति भीमः स्पष्टो भवति ॥ अनयारीत्या मुरुशान्योः स्पष्टीकरणं ॥ दुधशुक्रयोः साधितां चतुष्टययोग घटिका द्विकेंद्रवल्ली सेवल  
 तांशया ॥ रविकंदं मयवुधशुक्रयोः कन्दौ ॥ अनयोः स्पष्टीकरणं ॥ रविकन्दः ५१६१३५१४ भीमकन्दः ४९५३१३६१२८ दिशान्तरं १० संस्कृतः ४९  
 ५३१३२१ एनस्मद्वेरविकन्दं गोधितां जालता ४४३५८१ श्लतो परिग्रात सौरभस्यं घटिका द्विफलं ॥ ४११२१७ अग्रिमाने ८१२८ अनुपात फ-  
 लं ०१३३३३५ अनेन पूर्वफलं संस्कृतं ॥ ४११२१३३१२५ इदं भीमकन्दमध्ये युनं जानोपकन्दः ३१५१५१ ३३ एतदुपरि ग्रामं उपकन्दफलं सानुपातं २११८१५९९

अनेनयुक्तोभौमकन्दः जातः मुकन्दः ५२।८।२१।१७ पुनः फलेनयुताजातासुलता ॥ ६५।१८।४८।३३ सुलनोपरिप्राप्तं सुवल्लीफलं १३।३९  
४१।५५ अनेनमुक्तद्वीयुक्तः ६५।१८।१२ दशभिर्हीनो जातो मकरदः ५५।१८।१२ पट्टगुणितः जातो राश्यादिः स्यष्टोभौमः ३१  
।१४।१८।२५ अथगतिस्साधनं ॥ भौमस्योपकन्दफलयोगितयस्ययोरंतरं गतिगुणिनीया ॥ तन्मदफलं भवति ॥ इदं मध्यगतौ गम्यस्यार्थिक  
लेखुतं नूतनत्वेन ॥ सामन्दस्पष्टा गतिर्भवति ॥ जनयोनाशीघ्रं ॥ केन्द्रगतिशीघ्रोच्चगतिर्भवति ॥ इयं सुवल्ली फलान्तरेण गुणयगतेः शीघ्रक-  
लं भवति ॥ तेन फलेन नैर्भ्यां कस्याधिकत्वे मन्दस्पष्टा गतिर्भवति ॥ अनयारीत्यावुधशुक्रशनीनां गतिसाधनद्वयं ॥ उदाहरणं ॥ उपकंदफलयोरं-  
तरं ०।१३।२३ गतिः ३१।२५ गुणिता जातं मदफलं एष्याकस्याधिकत्वात् ०।१०।४१ अनेनयुता मध्यगतिः जाता मदस्पष्टा ॥ ३५।२७ अनेन  
रहिता शीघ्रोच्चगतिः ५९।८ जाता शीघ्रकेन्द्रगतिः २०।११ इयं सुवल्ली फलान्तरेण ०।१६।५५ गुणिता जातं शीघ्रगतेः फलं एष्याकस्य हीन  
त्वात् ५।२९।५३ अनेनयुता मदस्पष्टा गतिः जाता स्पष्टा ६१।१७ अथवुधस्पष्टीकरणं ॥ लता ५१।३४।३३ ५६ शीघ्रकेन्द्रगतिप्रमाणेन  
देशान्तर २१।५० संस्कृता ५१।२१।८।३० अनेनवुधकंदः ५।२९।३४ युतो जातः उपकंदः ३०।२०।१२।३४ अस्मावुपकंदफलं २१।१६।३९  
अनेनमुक्तद्वीयुक्तः जातः मुकन्दः ७।५१।२०।१३ सुलतायुता जाता सुलता ५२।३३।५।३३ सुवल्लीफलं १०।२३।६।२८ अनेनमुक्तद्वीयुक्तः  
१८।१३।२७।१२ दशभिर्हीनो जातो मकरदः ८।१४।२७।११ पट्टगुणितो जातो राश्यादिः स्यष्टोवुध १।१०।२६।४३ उपकंदफलयोरन्तरं ०।५।१९  
धनान्दस्पष्टा गतिः ६१।१२ शीघ्रकेन्द्रगतिः १८।१।२१। सुवल्ली फलयोरन्तरं भ्रमणं ०।१२।४७ स्यागतिः १०।२।५० ॥ अथगुरुस्पष्टीकरणं ॥  
विकंदः ५।११।३४। गुरुकंदः २१।१३।३१।५८ देशान्तरं ०।१० संस्कृतः २।१३।३१।१८ वीजं भ्रमणं ०।३१।२५।१० संस्कृतः २१।१२।६  
।८ एतन्मध्यैरविकंदः शोधितः जातालता १५।२२।२२।१४ सौरभौमपरिफलं ३०।१९।६४।५१ अनेनगुरुकंदद्वीयुक्तः जात उपकंदः ५१।१६।५९

उपकंदफलं २। २८। १। १८८ अनेनकंदोयुक्तोजातः सुकंदः २३। ५०। ७। २७ सुलता १८। ०। ३३। ५३ सुवल्लीफलं ६। ५। १६। १६४ अनेनसुकं  
दोयुक्तः २९। ५५। १६४ अहीनो जातो मकरंदः ११। ५५। २५। ११४ पुणितो गद्यादि स्मरोगुक्तः ३। २९। ३२। २८ उपकंदफलं यान्तरं क्रमणं ०। ३। २२।  
मदस्पष्टगतिः १। ५६। २६ सुवल्लीफलं योऽन्तरं क्रमणं ०। २०। २९ स्पष्टगतिः ५। १० ॥ ॥ अथष्टुसुष्टीकरणं दुःकलता ४३। १९५  
२०। १९ देशांतरं ८। ५० नंस्कृता ४३। १९। २५। १९ वीजधनं ०। ४७। ७। ४० गंतुकतालता ४४। ६। १८। ३। १०। ३। ३९। ३३। ८ अनेन  
शुक्रकन्दो भवति ५। १९। २४। ४ युक्तोजात उपकंदः ५५। २६। ७। २ उपकंदफलं १। ८। १६। २७ सुकंदः ७। ५०। ४८। २ सुलता ६६। १६। १८। ३ सुवल्लीफलं  
१४। १३। २७। ५१ अनेनसुकंदोयुक्तः ६४। ४६। २८। १० मकरन्दः ५५। ४६। २८। १० पदगुणः स्पष्टः ३। १०। २८। ३८ उपकंदफलं योऽन्तरं क्रमणं ०। ४६। ४  
मदस्पष्टगतिः ५७। ७ सुवल्लीफलं योऽन्तरं क्रमणं ०। २० स्पष्टगतिः ४। १४ ॥ ग्रथायनांशसाधनं ॥ इष्टशकः कुयमाब्धिहीनः कार्यः गदनं नारस्त्वदश  
मांशोऽहीनः कार्यः ॥ षट्शमासाज्यः ॥ अयनांशाः भवन्ति ॥ उदाहरणं ॥ इष्टशकः १५। ३६ अनेन ४२ हीनः ११२ अयं द्विष्टः अन्यदशमांशेन  
११। १८ रोहितः १००१। १२ पटिमत्ताजाता अयनांशाः १६। ११। ४२ ॥ अयदिनमानसाधनं ॥ स्पष्टः सूर्यः अयनांशयुक्तः कार्यः नस्यांशाः षड्भिः  
र्षाद्याधिक्वेष्टकः स्यद्यथा फलं स्यात् ॥ तदिनमानं रूपं ॥ अग्रिमकोष्ठकान्तरेण दोषं गुणं ॥ षड्भूक्तानि लब्धानि पलानि ॥ एतानि पूर्वस्था  
पिबदिनमानफलस्योऽग्रिमकोष्ठकवशात् सति तानि द्विनिवा निवाकार्याणि ॥ तदिनमानं भवेत् ॥ उदाहरणं ॥ सूर्यः ३। ६। २६। १० अयनांशो युक्तः १। २३।  
७। ४२ अंशाः ५३। ७। ४२ पटिमत्ता फलं ८ पलस्य कोष्ठकस्य दिनमानं ३२। ४४ अग्रिमान्तरेण १८ दोषं ५। ७। ४२ गुणितं ९२। १८। २६ पदभिर्गोक्तं लब्धपलानि  
१५ पलानि अग्रिमस्याधिकत्वात् पूर्वस्थापिबदिनमानं पलमध्ये युत्तेनितं जानं दिनमानं ३३। ९ ॥ अथ प्रकारांतरेण रेके प्रतिराशिप्रतिराशिपलः  
शोपरिदिनमानसाधनं ॥ स्पष्टांकस्याप्यः ॥ अनायनांशसंस्कारोनास्ति ॥ रेकेयं विंशो राशयस्तदयोयावन्तो भागाः सन्ति तत्तुल्यराश्यं च सूर्याः

दुधः स्यंदिनमानं ग्राह्यं ॥ अग्निमानरेण गुणवंपृथगाभाज्यं ॥ पलासफलं च पलस्यते अग्निमकोष्टकवशां रहितमहितं कार्यं तद्दिनमानं स्यात् ॥ उदाहरणं ॥ सूर्यः १।६।२६।० एतत्तुल्यसूर्यादुधस्यंदिनमानं ॥ ३३।५ अग्निमानरेण ३ दोषं २६।० गुणितं ७८ पृथगाभाज्यं फलं १ अग्नेन संस्कृतं जातं स्पष्टं दिनमानं ३३।६ अथ चंद्रदर्शनं ॥ यस्मिन्नासे शुक्लप्रतिपदि चंद्रदर्शनमवलोचयते तस्मिन् भासि न हि मे सूर्यो यद्वा ग्राह्यस्मि तद्वा शिश्यः सूर्यासिर्यकपंक्तो यस्मिन् कोष्टके भवति स कोष्टको ग्राह्यः ॥ तदनुंतरं यस्मिन् राशौ राहु रस्मि तद्वा शिश्यो गन्तुः ऊर्ध्वपंक्तौ यस्मिन् कोष्टके भवति तत्कोष्टकादधस्तात् सूर्यकोष्टकात् त्रिगुणी घटी ग्राह्या ॥ तदनुंतरं अमावास्यायाः विद्यमानघटिकास्माः पष्टिकामध्ये शोभ्याः तदनुंतरं चच्छेपं भवति तद्दिनजं दिनमानं तन्मध्ये योज्यं ॥ एवं कृते याद्यटिका भवति ताः पूर्वस्थापिनघटिभ्यश्चैव धिकाम्नादा प्रतिपादयन्तो दृश्यः ॥ न्यूने अदृश्यः ॥ किं नु द्वितीयायां दृश्यः ॥ उदाहरणं ॥ सूर्यः १।२० राहुः १०।२ अत्र राविः सिद्धिं कुं मे राहुः ॥ अनयोः प्राप्तघटी ८१ अमावास्यायाः घटिकाः १।१० पष्टिमध्ये शोधि ताः ५८।५० शेपं दिनमानेन युक्तं ॥ ३१।१११ जाताः ८९।१६ गुणा आम्बः अधिका अतो व प्रतिपदे व चंद्रदर्शनं ॥ अयमौगादीनां वक्रमार्गो द्यास्तसाधनं ॥ अंतिमशीघ्रफलमाधेन चच्छेदं तस्य चक्रशुद्धस्थाकाः कार्याः प्रोक्तो ज्ञानां इष्टां ज्ञानं च साम्येन सिद्धेनैव दिने वकादिकं स्यात् ॥ न्यूनाधिके यदिव ज्ञानयन प्रोक्तां ज्ञानानां मंतरकन्याः कार्याः शीघ्रकेंद्रागत्यामाज्याः ॥ तत्त्वार्दिनघटीपलाचं ब्राह्मप्रोक्तो ज्ञान इष्टकेंद्रां ज्ञाना अधिका न्नादा लब्धेन अवधि स्यं चारादिकं रदितं कार्यं ॥ न्यूने न सहितं कार्यं ॥ तद्वारघटीपले पुवकाद्यं स्यात् ॥ अस्त्रोदया विनिदिवाकरपद्यं ॥ अयमौगादीनां चरणगति साधनं ॥ सप्तदिनि दिवाकरपद्यं ॥ वैशाख शुक्ल ५ ज्ञानावधः स्यो मौमः ॥ ३।२६।११।३९ आश्रेशागत्युर्थ चरणे मौमः ३।२७।१५ अनयोरेनं कलाः ३८।११ अवधिस्य मौम गत्या १०।२३ भक्ताः फलं दिनदिकं १।५७।११ इ-

दमयधिस्ययादी० ६५ ३४ युतं २।१३ ४५ भपादजं भीमात् अवधिस्यस्य न्यूनत्वात् ॥ एवं वैशाखशुक्लसप्तम्यां सोमेस्त्वयोदयाद्भव  
 चर्मापु ३ पत्नेपु ५ तदाश्चपाचनुयुपादेतोमः ॥ अथ चंद्रग्रहणं ॥ पौर्णिमांतियद्विद्यमाननक्षत्रतस्य तैव्यघटिकायोगः कार्यः ॥ तत्तुल्यघटि  
 ५५५ स्पंचंद्रविंशपातविंशनाम भूभाविचंद्राहं ॥ अग्रिमांतरेण शेषफलादिगुणयानि ॥ पट्या भक्तेन लब्ध्या गुलेरग्रिमकोष्टकवशात् स  
 हिनरहितानि कार्यणि ॥ अंगुलात्मकं चंद्रविचं ॥ भूमाविचं चमवति ॥ अथ भूमायाः संस्कारः ॥ पौर्णिमास्यां यद्वाशौ स्वयं संक्रातिरसि  
 तद्वा इयथः स्वमंगुलादिकं पातफलस्याप्य ॥ अग्रिमांतरेण स्वयस्य भागादंगुण्य ॥ त्रिंशता भाज्यं व्यंगुलात्मके फलेन अग्रिमकोष्टकव  
 शाद्विनामिनं कार्य ॥ अनेन भूमायुताकार्या ॥ साम्यष्टा भवति पातफलं सदायततदंतरं रयिचन्द्रो विविधो योगार्थकार्य ॥ तन्मानिक्यखंडां  
 गति ॥ नक्षत्रोक्तं कार्यग्रासीमाति ॥ उदाहरणं ॥ शकः २५ ३५ वैशाखशुद्ध १५ सोमेघटि ५४।४० अनुराधानक्षत्रस्य ॥ गतिव्ययोगः ५८।३७  
 मूर्ध ३।६।३०।३७ चंद्र ७।६।३५ राहः १।१५ १८।११ अष्टपंचाशत् घटिकाधः स्वचंद्रविचं ११।१० अग्रिमांतरेण ११ शेषं गुणितं ३९  
 १६ यद्व्याप्तं फलेन संस्कृतं जातं चंद्रविचं ११।१४ भूमाविचं २६।१६ अनुपातपलेन ३३ संस्कृतः २७।५४ दृपसंक्रात्ययः स्य फलं ॥  
 ३ अग्रिमांतरेण ॥ ६॥ शेषगुणितं ३४।३७ जातं ३९ त्रिंशद्भुक्तं फलेन १ संस्कृतं ०।३२ अनेन भूमायुता जाता स्पष्टा भूमा २८।३६ अन  
 योगो गार्गजातगौतमैरारुं ॥ १९।२५ अथ शरसाधनं ॥ पर्वतकाश्रीनः सपातातु चंद्रः कार्यः ॥ अथ वा विराट् शुद्ध कार्यः ॥ पडगिदः धेनुगा  
 द्विशोधय ॥ न्युनो यथा स्थित एव ॥ नस्यांशा कार्यः पडिगिक्ता कार्यः लब्धममितकाष्टकस्यः अंगुलाद्यः शरो ग्राह्यः ॥ अग्रिमांतरेण श  
 रंगुणपट् भाकं लब्धगुलेः संस्कार्यः अंगुलात्मकः शरो भवति ॥ उदाहरणं ॥ विराट् शुद्धः तस्यांशाः १७।२।१६।१४ पड्भक्तीः फलं २८  
 १२८।२६ शरः श्रुतुपात फलेन ६।२७ संस्कृता जाताः शरंगुलादिः १२।६ अनेन रहितं मानिक्यखंडं जातो यास्तः ७।३९ अथः स्थि

तानयनं ॥ आसत्यांगुलप्रमितकोष्ठकादधःस्थस्थितिः स्याप्या अग्रिमानरेण व्यंगुलानि गुणयानि पृथिभक्तः लब्धपलैः सहिताः कार्यः  
 घटिकादिस्थितिः स्यात् ॥ उदाहरणं ॥ आसः ७।३९ स्थितिः ३।३५ अनुपातफलेन ॥ ७॥ सहिताजाता घटिकादिस्थितिः ॥  
 ३।४२ अन्यदवशिष्टकरणोक्तरीत्यासाध्यम् ॥ इति चंद्रग्रहणं ॥ अथ सूर्यग्रहणं ॥ शकः १५ ३२ मार्गशीर्ष कृष्ण ३० बुधे ध-  
 ति ११।५६ सूर्यः ८।५२।६।२८ लग्नं १।२।५।३४ त्रिभोजनं अमावास्यायत्तं क्रौंतौ भवति तत्संक्रान्तिरादयथस्थसूर्यदिवं स्याप्यं ॥  
 अग्रिमानरेण सूर्यस्य भागाधं गुण्यं त्रिंशद्भक्तं अंगुलात्मकं फले अग्रिमकोष्ठकवशाद्धी नान्विगं कार्यं ॥ अंगुलाद्यं सूर्यदिवं भव-  
 ति ॥ उदाहरणं ॥ यनुरादौ सूर्यदिवं ११।४४ आयातव्यंगुलैः संस्तुनं ज्ञानं राविदिवं ११२४ अथलंबनं ॥ त्रिभोजनलम्बाकनंशः ॥ तेषां चार-  
 क्षत्रयात्याप्तवानितथाकार्यः ॥ तदुत्तरं षड्भिर्भाज्याः लब्धप्रतिपद्वदशाधः स्य घटिकादिलंबनं ग्राह्यं ॥ अग्रिमानरेण शेषं गुण्यं षड्भिर्भा-  
 ज्यं लब्धपलैः सहितं घटिकादिलंबनं स्यात् ॥ सूर्याग्रिभोजनलम्बेधिके सविधनं ॥ न्युनेन क्रुण्णं ज्ञेयं ॥ उदाहरणं ॥ त्रिभोजनलम्बाकनंशः ॥  
 ३।२०।४६ षड्भिर्लब्धं ज्ञेयं ॥ शून्यादधः स्य घटिकादिलंबनं ०।१०० अग्रिमानरेण ३४।२५ शेषं ३।२०।४६ गुणितं ८१।४२।३ षड्भिर्भक्तं लब्धं  
 पलादिकैः १२।५८ सहितं ज्ञातं घटिकादिलंबनं ०।१४ अन्यदवशिष्टं पूर्ववत् ॥ एतत्पंचदशकोष्ठकस्थलं लंबनं स्याकोपरिग्रहणं  
 स्यूतं ॥ कानि साधनमाह ॥ साधनग्रहस्य भुजांशः कार्यः ॥ षड्भिर्भाज्याः लब्धप्रतिपदकोष्ठकस्था घटिकाद्याक्रान्तिः स्याप्या ॥  
 लंबनवदुपातः कार्यः ॥ तदुत्तरं षड्गुणिताः कार्यः भागादिक्रान्तिः स्यात् ॥ उदाहरणं ॥ सूर्यः ८।५।२६।२० अयनांशः ३६।३९  
 १।५४ सायनः सूर्यः ८।२२।६।१४ अस्य भुजांशः ८२।६।१४ षड्भक्तः लब्धं ३३ घटिकादिक्रान्तिः ३।५४।३६ पलात्मकेनानुपातेन  
 २।४४ सहिता ३।५७।२० षड्गुणिता जाता भागाद्याक्रान्तिः २३।४४ ग्रन्थकर्त्रेण पंचदशकोष्ठकस्थलं लंबनस्यांकाः अन्ये पंचदश

कोष्टेषु विपरिताः स्यापिताः ॥ एवं विंशत्योऽष्टौ भुक्तास्तंका जाताः ॥ अस्योपरिकान्ति साधनं ॥ सायनग्रहः पदुभाचिकथ्यच्चक्राद्विद्यो ध्यान-  
 स्यादाः ऊर्ध्वाः पदुभिर्मन्त्र्याः लब्धकोष्ठकस्याधटिकादिकान्तिः ॥ पूर्ववत्सन्निपातावगाह्याः अत्रानुपातफलं अग्रिमकोष्ठवशात्ताना-  
 न्नितङ्काद्यैः ॥ इयं कान्तिः पूर्वगमनं तुल्या ॥ उदाहरणं ॥ सायनसूर्यः ८१३२१६५११६ अग्रा १२२८५३१ अंशाः २७५३१६५ इत्य-  
 न्ताः फलं ३६५ कान्तिः ३५८३६ अंगुपातफलेन ११६ रहितानां पुंड्रपुणितासैव कान्तिः २३१६४० अथ सुक्ष्मकान्ति साधनं ॥ सायनग्रहस्य सु-  
 जाश्रमिन्नेष्टकस्याभागाद्या कान्तिः स्याद्या ॥ अग्निमांतरेण कलावंगुण्यं पृथ्याभागेन कलात्सेकनफलेन सहितं कार्यं भागाद्या कान्तिः  
 स्यात् २३१६४० अथ शरसाधनं ॥ सपातश्चन्द्रस्य ॥ अथवा विराट् शुक्रस्य सुजाश्रमिन्नेष्टकस्य सुजाश्रमिन्नेष्टकस्यः कलादिः शरीराद्यः अग्निमांतरे  
 ण शेषगुण्यं पृथ्याभागेन कलादिवापः स्यात् ॥ त्रिभिर्मन्त्रिणुलादिः स्यात् ॥ उदाहरणं ॥ विराट् शुक्रस्य सु-  
 जाश्राः ७१६३१६५ शरः ३२१५३ अनुपातफलेन ३१२६ सहितो जातः कलादिः शरः ३६१६५ त्रिभिर्मन्त्रिणुलादिः शरः १२१५ अथोक्त्वा  
 नां शेषगुण्यं पृथ्याभागेन कलादिवापः स्यात् ॥ अथान्विन्यादीनां दशाणां उदयमध्यास्तसु गणनां ॥ अविन्युदये मेयलं न राश्यादि ० १ १।  
 २६१५ रवेर्मध्यास्थितिकर्तृत्वमं राश्यादि ॥ ३ १ १३ १३६ अस्तमये तु लग्नं राश्यादि ६ १ २ १५८ रावं भरण्यादि पुज्ञायं ॥ इति विष्वनाय  
 गणाः ३००० आद्यं लब्धमिनाब्दवेदद्वहनाद्यं ३६ साध्यं सूर्ये हुतः ॥ दिग्भागासकलायुतप्रभवतोब्दः षड्विधो यास्मृ-  
 ताः शेषां शारविनिर्हितादिनपुरं मेघार्कतः प्राग्भावेत् ॥ १ ॥ उदाहरणं ॥ शक्रः २५१५६ अनेन २५१६ रहितः जातागताब्दाः ५२

सप्तमिगुणिताः २७५ इत्यांवांगो ६०० चतुः फलराश्यादि ०।०।१११।१२३।१० राशिस्थाने गताब्दः १२ वेददहनाभ्यां युतः ७६। ११५।  
 १२।० गताब्दयुगसूपदुताः १५८ दिग्मागा १० सकला १५।१८ युतं ७६।११५। ५७। १८ ऊर्ध्वकिः पटधातटः शेषांकः १६ गतवत्सा-  
 नेडोयः वर्तमानः सुभासुवत्सराशेषं १५।५७। १८ द्वादशमिगुणितज्ज्ञानदिनादिकं १७५। ३३। ३६ दिनस्थाने त्रिंशद्भक्तं  
 ज्ञानमासादिकं ५।२५। ३३। ३६ एभिमासादिकैर्वर्तमानवर्षस्य मेपसंक्रान्ति सकाशात् पूर्वप्रवृत्तः सुमानुवत्सरः इदं द्वादश-  
 मध्ये शोधितशेषं ६।०। २६। २४ एवं वर्तमानतुलांशकः ०।२६। २४ चावत्सुमानुवत्सरः ॥ तदनन्तरं तारणारब्धः ॥ एवं वर्षग-  
 धेद्वयोः फललेख्यं ॥ दाक्षिणात्याः नर्मदायाः दक्षिणे तारे मनुजमानेन संवत्सरं प्रवृत्तिमाहूः ॥ उक्तं च ॥ नर्मदोत्तरभा-  
 गेभ्यः दुरुगानवत्सरः ॥ नर्मदायाम्यन्तारे तु मनुमानाद्धुः स्मृतः ॥ नदानयनं ॥ शालिवाहनशाकाकसंयुतः यष्टिहृत् प्रभव-  
 पूर्ववत्समगनुमानेन ॥ अयं गुरुद्वयानुरूपवर्षजानमाहस्यादूर्जादिपुमानेषु च न्दिमादिद्वयं हयं ॥ उपात्तपंचभाते पुनस्तत्रा-  
 गात्रयत्रयं ॥ अग्निद्वानुदितो जीवन्तवत्सराश्च वत्सरः ॥ तदथा ॥ यस्मिन्समये गुरोरुदयः तस्मिन् समये यस्मिन् गक्षये गुरु-  
 निश्रानि नचाक्षयस्योभासः सगुरुवर्षसंज्ञको ज्ञेयः ॥ कृत्तिकागोहिणीस्थितो गुरुः सूर्यमात्रि च्यादुदयं ग्रामस्तदा कार्त्तिक  
 संज्ञकं गुरुवर्षज्ञेयं ॥ मृगशिरस्यो मर्गशीर्षः ॥ पुनर्वसुपुष्ययोः पौषं ॥ श्लेषमघयोः मघं ॥ पूर्वोत्तराभास्ते पुष्यालगुनः ॥ चित्रा  
 स्वात्योऽश्र्वेयं ॥ विद्यारानुराधयोर्वशाखं ॥ ज्येष्ठा मूलज्येष्ठा संज्ञाः ॥ पूर्वोत्तराषाढयोराषाढं ॥ हरिवासवयोः श्रावणं ॥  
 शततारकापूर्वाभाद्रपदोत्तराभाद्रपदत्सु माद्रं ॥ अत्यदारश्च वमानामाश्विनसं ॥ नवपंचमः फाल्गुनः अंत्य आश्विनः उपात्यो-  
 भाद्रपदत्सु पुनः शैवकं नवमघयोः ज्ञातव्यः ॥ सूर्यसिद्धांतवचनादस्त्वयनक्षत्रादपि गुरुवर्षज्ञेयमिति ॥ अत्रास्तमयोदयन-

क्षत्रमेकमेव बाहुल्येन प्रवर्तते । तथापि कदाचिद्विस्मयोऽदृश्यास्तस्मादिति उभयनक्षत्रोपादानादुभययुतानि मिश्रीभावेन वक्तव्यानि ॥  
 गुरुद्वयदिनभारस्योपक्रमइत्यहर्षणः ॥ प्रशस्ततिसहस्रेण संहितो युगपद्गुरुः ॥ तस्मात्कालाददृश्यः स्यात्पूर्वव्याब्दः प्रवर्तते ॥ ऋक्षपू-  
 र्वइति वचनात् ॥ कार्तिकेद्वयगुरुद्वयाद्बद्धा उदितिविद्वसात् ॥ प्रभवेदप्यस्तु गद्यमपुरुषाश्च भोगादिति विवेकः ॥ बहुसंमतत्वात् ॥ गुरुद्वया-  
 द्बुधोरेव्दविचारणात्कर्मव्येत्यर्थः ॥ गुरुर्वदफलं गुरुद्वयादग्निगुरुद्वयपयतज्ञेयं ॥ यस्मिन्वप्यगुरुद्वये पुनर्वसुनक्षत्रे गुरुस्मिष्टति इति कारणान्द-  
 द्गोपसङ्गकगुरुपतस्य फलं लेख्यं ॥ अथ राजादिनिर्णयः ॥ चैत्रादिमेपादितुलीरत्नौलिभृगाख्यमाद्राघनुगदिवारः ॥ राजा च भूस्वस्य रसा-  
 धिपाश्च स्युर्नारसे शंखधियान्यनयाः ॥ १ ॥ प्रतिपदियद्विचित्रे त्र्युपलपदे भवेतां कयमपियद्विचरो होतदा मूपतिः कः ॥ प्रथमदिवसवारः कीर्ति-  
 तोगगभुल्यगणावगिसति डिमेराज्यभागज्येष्ठएव ॥ २ ॥ डिभोनालः ॥ पौतः पाको र्मको डिभइत्यभिधानात् ॥ कां वो जादिदेशे पुविशेप उक्तः ॥  
 कां वो जस्यार्जुनसिंधुदेशे पुविनेव्यपिदुरेपु ॥ किंस्तु मध्यमगन्तव्ये पुस्त्योदयगोदिनेशः ॥ अन्यच्च ॥ प्रतिपदशंसाधिग्रम-  
 ध्यान्ताखूवतोयदि ॥ तदा तद्दिनं पौराजापतयेत्सरो भवेत् ॥ अत्र केचिच्चाद्रवर्षस्य प्रतिपदादिदक्षिणे वर्षे प्रवेष्टान्तवत्येव वारो वर्षे शइत्याहुः  
 पदंति च ॥ फाल्गुनोत्तराश्विजनि ॥ तदेतद्गुरुदेशे प्राचुर्येण वर्तते ॥ दक्षिणात्या ओदधिकप्रतिपदवारमेव राजानमाहुः ॥ कश्यपः ॥ चैत्र-  
 कक्षादिदिवसे किंस्तु भूवर्षे कथं वा ॥ अकोदयोन्यो वारः सौव्यः परिकीर्तितः ॥ चैत्रशुक्लप्रतिपद्विचित्रे यो वारः सराजा ॥ मेघसंक्रांतिदि व-  
 से यो वारः समं ग्री ॥ कर्कसंक्रांतिदिवसे यो वारः सप्तम्याधिपः ॥ तुलासंक्रांतिदिवसे यो वारः सरससाधिपः ॥ मृगसंक्रांतिदिवसे यो वारो नीरसाधिपः  
 ॥ आर्द्राश्रवशदिवसे यो वारः समे वाधिपः ॥ धनुःसंक्रांतिदिवसे यो वारः सपश्चिमघान्याधिपः ॥ एतेषां फलानि क्रमनो लेख्यानि ॥ तदनंतरा य-  
 स्यांति योयस्यन्यारेयसि नक्षत्रे यस्मि न्योगे आर्द्राश्रवशस्तत्फलानि लेख्यानि ॥ दिवा रात्रौ वा प्रवेशस्तत्फलं लेख्यं ॥ अथ नवमेधानयनं ॥ गताब्दान

वभिस्तदशेषं हारिद्विशोधयेत् ॥ तत्र आर्वावर्गमर्गद्विगोणपुष्करकीलकः नीलश्रवणगोवायुतमोभिघाः स्पृत्तानव ॥ अत्र गताब्दानयनं ॥ युग्मचंद्रार  
वैदग्धिर्हीनाशालियाह नवाकानस्ताः ममाः ॥ उदाहरणं ॥ शकः १५५६ अनेन १५५२ रहिताजाता गताब्दाः ४६ नवभिस्ताश्चोपेतं हारतुं शोधितं  
आनर्गमं जाको भेद्यस्तफलं ते रज्यं के विलुपे कचतुष्टयमाहुस्तदानयनचक्रिर्गताब्दाः सहित्वा अतुर्भिः शेषं सवे दं नुयतिः क्रमेण आर्वावर्गसंयुक्त  
पुष्करश्रद्धोणश्चातुर्थी मुनिभिः प्रदिष्टः ॥ अत्रापि पूर्ववद्गताब्दानयनं ॥ आर्वोच्छिन्नदृष्टिः स्यात्संयते जलपूरिता ॥ पुष्करे मंददृष्टिः स्यात्  
द्विगोणवर्पनिसर्गद्विगोणदशनागानयनं ॥ गताब्दादियुताः सूर्यभक्तास्तत्रावशेषिताः ॥ सवुद्धेर्गंदसारीचकोटकपृथुश्रवाः ॥ वा  
सुकिस्तदाकश्चैकं वलाभ्यनरापुत्रौ ॥ हेममाली नरो म्रश्च वज्रदंष्ट्रेयस्तथा ॥ अत्रापि पूर्ववद्गताब्दाः ॥ उदाहरणं ॥ गताब्दाः ४६  
दियुताः ४६ दादशाभिस्ताः शेष १० नोदसंज्ञको नागस्तफलं ॥ केचिन्नुनागाष्टकमाहुस्तदानयनं ॥ शाकोरस्तादिसंयुक्तो वसुभिः  
भागशोधकः ॥ अनन्तादिक्रमेणैव अष्टीनागाः प्रकीर्तिताः ॥ अनन्तो वासुकिः पद्मो महापद्मः सुतक्षकः ॥ कुलीरः कर्कटः शङ्खः  
श्रद्धाभागाः प्रकीर्तिताः ॥ अथ सप्तवानानयनं ॥ शकः शशांकसंयुक्तो मुनिमिसर्गहारितः ॥ आर्वाहादिक्रमेणैव सप्तवाताः प्रकी  
र्तिताः ॥ आर्वाहः प्रवहश्चैव संवहो विवहस्तथा ॥ उद्धोति यहश्चैव सप्तवाताः प्रकीर्तिताः ॥ अथ वर्षादिनामानयनं ॥ महादेवः  
॥ शकः स्थिगुण्यो नागभाजिनश्च शेषं हि निमंशरसंयुतं च ॥ लब्धं च शाकश्च पुनः प्रकल्प्य पूर्वोक्तवत्स्युः खलु विम्वकारव्याः ॥  
वर्षाचान्यं नृपशीतेनोवायुश्रद्धाद्विज्ञापयित्री च ॥ एवं गवाभिहितानि ॥ उदाहरणं ॥ शकः १५५६ त्रिगुणः ४६ १६८ सप्त  
भक्तः लब्धं १६६ शेषं ६ द्विगुणं १२ शर ५ संयुतः १० एते जानाविम्वकारव्यावर्ष १० लब्धं ६६ त्रिभिर्गुणितं ॥ १२९६८ सप्त  
भक्तं २८५ शेषं ३ द्विनिमंशं ६ शर ५ युगं जानंधान्यं एवं लब्धोपरि सर्वत्र ज्ञेयं ॥ तृणं ७ शीतं १ तेजः १ वायुः १ दृष्टि १० क्षयः

९ विग्रहः ११ ॥ शाकञ्चवेदगुणितसप्तसिर्मागमाहरेत् ॥ शेषं द्विद्वान्त्रिभिर्युक्तं प्रोक्तं विश्वारव्यसंज्ञकं ॥ सुधातृपातथा निद्रा  
 चालस्य चोद्यमस्तथा ॥ शान्तिः क्रोधस्तथा दंभो लोभो मेयुनमेव च ॥ ततस्तुरसमिप्यतिः फलनिप्यत्तिरेव च ॥ उत्साहः सर्वलोकानां  
 ज्ञातव्यं निश्चितं बुधैः ॥ त्रयोदशोदाहरण ॥ शकः १५५६ चतुर्गुणिताः ॥ ६२२४ सप्तमक्तः लब्धं ८९ शेषं १ द्विद्वान्त्रिभिर्युतं ५  
 ज्ञातव्यं निश्चितं बुधैः ॥ पुनर्लब्धं ८८९ चतुर्गुणं ३५५६ सप्तमक्तं लब्धं ५०८ शेषं ० त्रिभिर्युतं तृया ३ एवं लब्धोपरि सर्वत्र ज्ञेयं निद्रा ७ आ-  
 जाता क्षुधा ॥ शान्तिः १३ क्रोधः ७ दुःखः ५ लोभः १३ मेयुनं १५ रसोत्पत्तिः १५ फलानि ५ उत्साहः ११ शाकाब्दं वसुभिर्निर्दिष्टं  
 लब्धं १३ उद्यमः ७ शान्तिः १३ क्रोधः ७ दुःखः ५ लोभः १३ मेयुनं १५ रसोत्पत्तिः १५ फलानि ५ उत्साहः ११ शाकाब्दं वसुभिर्निर्दिष्टं  
 नदाभिर्मागमाहरेत् ॥ शेषं तु द्विगुणीकृत्य रूपमत्रापि योजयेत् ॥ उग्रपापं च पुण्यं च व्याधिव्याधिविनाशनं ॥ आचारश्चाव्ययनाचा-  
 रोमरणं जनिरेव च ॥ देहास्योपद्रवस्वास्थ्यं चौराकुल भयं तथा ॥ अधैषां पञ्चदशानामुदाहरणं ॥ शकः १५५६ अस्य गुणः १२४४८  
 नवभिर्षक्तः लब्धं १३८३ शेषं २ द्विनिर्दिष्टं २ छपं १ योज्यं १ जानं उग्र ३ एवं लब्धोपरि सर्वत्र ज्ञेयम् ॥ उग्रपापं इत्यादिना अग्निना ज्ञाप-  
 यन्तं पंचदशज्ञेयाः ॥ शकः पञ्चभिः सप्तभिर्गोभिरीशैश्चतुर्धृहः सप्तमक्ता वशिष्टः ॥ द्विनिर्दिष्टं विभिर्षुक्तं मुद्भिर्ज्जराश्रद्धां ज्ञेयं सप्तद्वानां  
 द्विविंशोपकाः स्युः ॥ उदाहरणं ॥ शकः १५५६ चतुर्धस्याप्यः १५५६ क्रमेण गुणकैर्गुणितः ७७८० १२८९२ ॥ १४८०४ ॥ १७११६ सर्वत्र  
 सप्तमक्तं शेषाणि ३०४ ॥ २ द्विगुणितानि ६०४ ॥ २ त्रिभिर्षुक्तानि जातानि शेषकाः ॥ १३११५ उद्भिर्ज्जाः १ जरायुजाः ३ श्रद्धाजाः ११  
 स्वेदजाः ५ एतत्स्वरूपं अमरसिंहोक्तं ॥ उद्भिर्ज्जाः सारुगुल्माद्या पक्षिसर्पादयोऽजाः ॥ स्वेदजाः कृमिदंशाद्या नृगयाद्या जरायु-  
 जाः ॥ अथ गेहिणी चक्रं ॥ येषां कृदिनमाद्युद्दयमब्धौ द्रव्यं तदे ॥ एकं गेरीद्वयं संधौ चतुर्द्विद्वयं तथा न्यसेत् ॥ साभिजिच्चक्रमेणैव फलं  
 यन्ननुगेहिणी ॥ अतिगृष्टिः समुद्रे स्यात् तदेतदेत्यर्थं ॥ गेरीसंधौ खंडं दृष्टि रित्याहः पूर्वस्वरूपः ॥ अथाब्दपानयनं ॥ भूतं दत्ति

# इतिमकरन्दसारिणी उदाहरणसहस्रमाप्ता